शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

बुधवार 7 जनवरी 2026 E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 10 • अंक : 256 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

एक्टर विजय को समन जारी, करूर भगदड़ मामले में होगी पूछताछ

नईदिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने साउथ के सुपरस्टार, पॉलिटिशियन और तमिलगा वेट्री कजगम के संस्थापक विजय को करूर भगदड़ मामले में 12 जनवरी को पेश होने के लिए समन जारी किया है। यह भगदड़ 27 सितंबर 2025 को करूर जिले के वेलुस्वामीपुरम में एक रैली के दौरान हुई थी। हादसे में 41 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। विजय की स्पीच के लिए बड़ी तादाद में लोग जमा थे। इसी दौरान भगदड़ मच गई थी।

संदेशखाली में पुलिस पर हमला करने वाला टीएमसी नेता गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में पुलिस पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी और तृणमूल कांग्रेस का स्थानीय नेता मूसा मोल्ला को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि 2 जनवरी को संदेशखाली में जमीन पर अवैध कब्जा करने के आरोप में पुलिस मूसा को गिरफ्तार करने गई थी। इस दौरान मूसा और अन्य लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया था और गाड़ी में तोड़फोड़ की थी।

200 करोड़ की ठगी करने वाले 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने मंगलवार को एक बड़े इंटरनेशनल सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ऑनलाइन फॉरेक्स और गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर ठगने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभी तक सैकड़ों लोगों से ज200 करोड़ से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं।

असम सीएम बोले- बांग्लादेश हिंसा चिंता का विषय

दिसपुर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा को लेकर असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि यह चिंता का विषय बना हुआ है और वहां हिंदुओं पर अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। इसका प्रभाव असम में भी पड़ सकता है, इसलिए राज्य को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

यूपी एसआईआर - हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहरःड्राफ्ट लिस्ट में 2.89 करोड़ नाम कटे

इनमें 46 लाख मृत लोगों के नाम; 12.55 करोड़ वोटर बचे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

लखनऊ। एजेंसी

यूपी में एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट जारी हो गई है। इसमें 2.89 करोड़ (18 फीसदी) नाम कट गए हैं। इनमें 46.23 लाख मृत, 2.17 करोड़ लोग शिफ्टेड और 25.47 लाख डुप्लीकेट वोटर शामिल हैं। पहले प्रदेश में 15.44 करोड़ वोटर थे, अब 12.55 करोड़ मतदाता बचे हैं। मतलब- हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहर हो गया है।

लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 लाख, जबकि ललितपुर में सबसे कम 95 हजार लोगों के नाम कटे। वोटर चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। जिन लोगों के नाम नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां कर सकते हैं। फॉर्म 6 या 7 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं।

दावे के लिए फॉर्म 6 और आपत्ति के लिए फॉर्म 7 भरे जाएंगे। इसकी फीस नहीं लगेगी। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर- 1950 जारी किया है, जहां से सहायता ली जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में कम सहयोग को देखते हुए आयोग ने विशेष कैंप लगाने की योजना बनाई है। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा- मतदाताओं का गुस्सा आक्रोश बनकर आंदोलन का रूप ले ले, चुनाव आयोग एसआईआर से कटे वैध नामों के लिए संज्ञान लेकर मतदाता सूची दुरुस्त कराए। यूपी से पहले 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आ चुकी है। इनमें 3.69 करोड़ वोटर्स के नाम हटे हैं। मध्यप्रदेश में 42.74 लाख, छत्तीसगढ़ में 27.34 लाख, केरल में 24.08 लाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 3.10 लाख वोटर्स, पश्चिम बंगाल में 58.20 लाख, राजस्थान में 41.85 लाख, गोवा में 11.85 लाख, पुडुचेरी में 1.03 लाख, लक्षद्वीप में 1,616, तमिलनाडु में 97 लाख, गुजरात में 73 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं।

प्रदेश के पांच धार्मिक नगरों में कहां कितने वोट कटे

प्रदेश के पांच धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण जिलों में कम हुए वोटर की स्थिति की बात की जाए तो गोरखपुर में 36,66,533 वोटर थे। अब 30,20,908 वोटर बचे हैं। यानी करीब 17.61 प्रतिशत वोट कम हुए हैं। 2022 के चुनाव में भाजपा ने यहां क्लीन स्वीप किया था। गोरखपुर शहर सीट से योगी आदित्यनाथ विधायक हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

प्रयागराज में 46,92,860 वोटर थे, यहां अब 35,36,554 वोटर बचे हैं। यानी करीब 24.64 वोटर घटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां की 12 सीटों में से एनडीए ने 8 पर जीत दर्ज की थी। चार सीटें सपा के खाते में गई थीं। हालांकि दो साल बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों ये सीट भाजपा को गंवानी पड़ी थी।

चलते अयोध्या सीट सबसे ज्यादा चर्चा में रही थी। यहां 19,07,800 वोटर थे। अब यहां 15,70,258 वोटर बचे हैं। यहां करीब 17.69 प्रतिशत वोटर कम हो गए हैं। विधानसभा चुनाव 2022 में यहां तीन सीटों पर कमल खिला था, जबकि दो सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की थी। हालांकि उपचुनाव में सपा जहां एक सीट हार चुकी है, वहीं उसके दूसरे विधायक बागी होकर

वाराणसी में 31,53,705 वोटर थे। अब यहां 25,80,500 वोटर हैं। यानी करीब 18.18 प्रतिशत वोट कटे हैं। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सभी 8 सीटों पर एनडीए को जीत मिली थी।

मथुरा में 19,47,368 वोटर थे। यहां 15,73,574 वोटर बचे हैं। प्रतिशत की बात की जाए तो 19.20 वोट कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां सभी 5 सीटों पर कमल खिला था।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी बोले- लोकतंत्र की हत्या हुई, भाजपा का सफाया होगा

यूपी एसआईआर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 2.89 करोड़ वोटरों के नाम हटाए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, पार्टी ने जो चिंता जताई थी, वह सही साबित हुई है। करीब तीन करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। यह लोकतंत्र की हत्या है। बीजेपी चाहे कुछ भी कर ले, यह तय है कि यूपी से बीजेपी का सफाया हो जाएगा।

सपा ने कहा- हम पीडीए वोटों को कटने नहीं देंगे

यूपी एसआईआर पर सपा नेता फखरुल हसन चांद ने कहा, समाजवादी पार्टी पीडीए वोटों की रक्षा का काम कर रही है, और हम ऐसा करते रहेंगे। समाजवादी पार्टी इस मुद्दे पर सतर्क है, और हम पीडीए वोट को छूटने नहीं देंगे। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आधार कार्ड को वोटर कार्ड से जोड़ा जाना चाहिए।

बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला; बढ़ती हिंसा को लेकर फेसबुक पोस्ट किया था

राष्ट्रबाण | ढाका | एजेंसी
rashtrabaan.in

बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है।

शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था।

कल ही एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या

5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। वे कपलिया बाजार में आइस फैक्ट्री चलाते थे और दैनिक बीडी खबर 'अखबार के कार्यकारी संपादक भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

अमेरिकी कोर्ट में मादुरो बोले- मुझे किडनैप किया गया

आरोपों से इनकार, गिरफ्तारी को अवैध बताया; विपक्षी नेता मारिया मचाडो जल्द वेनेजुएला लौटेंगी

राष्ट्रबाण | न्यूयॉर्क | एजेंसी
rashtrabaan.in

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सोमवार रात न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में पेश किया गया। उन्होंने कोर्ट में अपने खिलाफ लगे ड्रग्स और हथियार तस्करी से जुड़े सभी आरोपों से इनकार किया। एजेंसी के मुताबिक, मादुरो ने अदालत में अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और कहा कि मुझे किडनैप किया गया है। पहली सुनवाई में मादुरो ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा, मैं अपराधी नहीं हूं। मैं एक सम्मानित व्यक्ति हूं और अब भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं।

मादुरो के वकीलों ने अमेरिकी कार्रवाई को सैन्य अपहरण बताया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है। अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी।

दूसरी तरफ वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही देश वापस लौटेंगी।

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी पेश हुईं

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी अदालत में पेश हुईं। उनके चेहरे पर चोट के निशान और पट्टी बंधी थी। उन्होंने खुद को वेनेजुएला की प्रथम महिला बताया और सभी आरोपों से इनकार किया। मादुरो और उनके सहयोगियों पर नशा तस्करों और आतंकी गिरोहों के साथ मिलकर अमेरिका में कोकीन पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप है। मादुरो पर मशीनगन रखने का भी आरोप है, जिसके लिए लंबी सजा हो सकती है। चार्जशीट में मादुरो के बेटे निकोलस मादुरो गुएरा, गृह मंत्री डियोसडाडो काबेलो और कुख्यात गैंग 'त्रेन दे अरागुआ' के सरगना हेक्टर गुरेरो फ्लोरेस का नाम भी शामिल है।

दूषित पानी से 17 मौतें, हाईकोर्ट बोला-इंदौर की छवि धूमिल

सरकार का जवाब असंवेदनशील; जरूरत पड़ी तो अफसरों पर तय होगी क्रिमिनल जिम्मेदारी

राष्ट्रबाण | इंदौर | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में मंगलवार को दूषित पेयजल से जुड़े मामले में 5 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा- इस घटना ने इंदौर शहर की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर अब दूषित पानी की वजह से पूरे भारत में चर्चा का विषय बन गया है।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में स्वच्छ पानी जनता का मौलिक अधिकार है और इससे किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि यदि भविष्य में आवश्यकता पड़ी तो दोषी अधिकारियों पर सिविल और क्रिमिनल लायबिलिटी भी तय की जाएगी। साथ ही संकेत दिए कि अगर पीड़ितों को मुआवजा कम मिला है तो उस पर भी अदालत उचित निर्देश जारी करेगी।

उधर, दोपहर करीब एक बजे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ता भागीरथपुरा पहुंचे। यहां पहले से बड़ी संख्या में पुलिस बल, वज्र वाहन सहित तैनात था। भागीरथपुरा में घुसने वाले सभी रास्तों को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया था।

दूषित पानी से जान गंवाने वाले लोगों के परिजन से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेताओं की पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई। बाद में दूसरे रास्ते से कांग्रेसी अंदर पहुंचे। मृतक अशोक लाल पवार, जीवन लाल और गीता बाई के घर गए। परिजन से चर्चा की। इसके बाद करीब 3 बजे भागीरथपुरा से लौट गए। यहां पटवारी ने इंदौर का प्रभारी मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव से इस्तीफा भी मांगा।

मणिपुर में 3 घंटे में दो आईईडी ब्लास्ट, 2 घायल

कुकी उग्रवादियों पर ब्लास्ट का शक, सरकार ने एनआईए को जांच सौंपी

राष्ट्रबाण | इंफाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। सोमवार को हुए इन ब्लास्ट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस से किए गए थे। घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा। सोमवार को फौगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन इलाके के नगाउकोन गांव में 5:45 बजे एक खाली पड़े घर में आईईडी ब्लास्ट हुआ।

मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है। पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो करीब 200 मीटर दूर पर 8:45 बजे दूसरा ब्लास्ट हुआ। इस हमले के पीछे कुकी उग्रवादियों का हाथ बताया जा रहा है।

गुजरात-कर्नाटक में 7 कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

वहीं, केरल के कन्नूर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देसी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है। गुजरात में हाईकोर्ट और 5 लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। सूरत की कोर्ट के ऑफिशियल ईमेल पर सोमवार रात 2 बजे धमकी भरा ईमेल आया था।

खड़गे बोले- मोदी ट्रम्प के आगे क्यों झुक रहे: उन्हें सिर हिलाने के लिए पीएम नहीं चुना

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों को लेकर सोमवार को पीएम मोदी पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा- मैं नहीं समझ पा रहा कि मोदी ट्रंप के सामने क्यों झुक रहे हैं। यह देश के लिए ठीक नहीं है। आपको देश के लिए खड़ा होना चाहिए। देश ने आपको प्रधानमंत्री सिर हिलाने के लिए नहीं चुना।

दरअसल खड़गे का बयान ट्रम्प के दावे पर आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि रूस से तेल आयात पर अमेरिकी नाराजगी के बाद भारत ने तेल खरीद घटाई, क्योंकि मोदी मुझे (ट्रम्प) खुश करना चाहते थे।

खड़गे ने वेनेजुएला की स्थिति पर भी चिंता जताते हुए कहा- वहां बन रहे हालात दुनिया के लिए अच्छे नहीं हैं। डराने और विस्तारवादी नीति ज्यादा समय तक नहीं चलती। हिटलर और मुसोलिनी जैसे लोग इतिहास बन चुके हैं। वैश्विक शांति बिगाड़ने वाली सोच ठीक नहीं है।

कांग्रेस के 3 सवाल...

क्या भारत की विदेश नीति अब अमेरिका तय कर रहा है?
क्या रूस से तेल आयात घटाने का फैसला ट्रम्प को खुश करने के लिए लिया गया?
ट्रम्प की धमकियों और दावों पर मोदी चुप क्यों हैं?

शांति दावे पर तंज

खड़गे ने ट्रम्प के उस दावे पर भी सवाल उठाया, जिसमें वे बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच शांति कराने की बात कहते हैं। खड़गे बोले- ट्रम्प कम से कम 70 बार कह चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाक के बीच शांति कराई।

बीजेपी : उमर-शरजील के समर्थन में हुआ प्रदर्शन, कांग्रेस बोली- यह गुस्सा जाहिर करने का तरीका

जेएनयू में नारे लगे- मोदी-शाह की कब्र खुदेगी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में सोमवार रात कुछ छात्रों ने पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ विवादित नारे लगाए। नारेबाजी का 35 सेकेंड का वीडियो मंगलवार को सामने आया। यह अब वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्र 'मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' नारे लगाते और गाते दिखे। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया है कि जेएनयू में यह प्रदर्शन उमर खालिद-शरजील के समर्थन में हुआ। यह विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्रविरोधी विचारधारा का प्रसार है। कांग्रेस ने कहा है कि यह गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है।

दरअसल, एक दिन पहले 2020 दिल्ली दंगों की साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार किया था।

जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल छात्र 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने न्यूज एजेंसी को बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी के लिए निर्देशित नहीं थे।

कांग्रेस नेता उदित राज- यह गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है। जेएनयू में 2020 दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उमर खालिद और शरजील इमाम के साथ ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे मुसलमान हैं। उनके साथ नाइंसाफी हुई है। स्ट का फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

जेएनयू प्रशासन बोला- यह कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन

ऐसे नारे लोकतांत्रिक विरोध के खिलाफ है, जेएनयू के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करते हैं। इससे सार्वजनिक व्यवस्था, कैंपस की शांति व सुरक्षा माहौल को नुकसान पहुंच सकता है। नारे स्पष्ट रूप से सुनाई दे रहे थे, जानबूझकर लगाए गए और बार-बार दोहराए गए, जिससे यह साफ होता है कि यह सोच-समझकर किया गया गलत काम था। यह अनुशासन, नियमों और यूनिवर्सिटी कैंपस के शांतिपूर्ण माहौल की जानबूझकर की गई अवहेलना है।

'ये गोलार्द्ध हमारा इलाका, नहीं चलने देंगे किसी का दबदबा'

राष्ट्रबाण

माद्रुरो पर अमेरिका ने चीन-रूस को दिखाई आंख

नई दिल्ली. वेनेजुएला से टकराव के बीच संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने स्पष्ट कहा है कि पृथ्वी का पश्चिमी गोलार्द्ध हमारा इलाका है और अमेरिका इस क्षेत्र में किसी की दादागीरी नहीं चलने देगा. राजदूत माइक वाल्ट्ज ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर वेनेजुएला में हुए अमेरिकी ऑपरेशन की जानकारी देते हुए ऐसा कहा.माइक वाल्टज ने साफ साफ कहा कि हम पश्चिमी गोलार्ध को अपने देश के दुश्मनों, हमारे कॉम्पीटिटर और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिद्वंद्वियों के लिए ऑपरेशन के बेस के तौर पर इस्तेमाल नहीं होने देंगे.

संयुक्त राज्य अमेरिका का ये मैसेज रूस और चीन के लिए स्पष्ट संदेश है, जो देश व्यापारिक संबंधों के तहत वेनेजुएला से अपने संबंध ठीक कर रहे थे. यूएन में अमेरिका के राजदूत माइक वाल्ट्ज ये बयान दे रहे थे उसी वक्त संयुक्त राष्ट्र में बैठे वेनेजुएला के राजदूत गुस्से से उबल रहे थे. अमेरिका ने अपने ऑपरेशन के बारे में क्या क्या बताया. ये बताने से पहले पश्चिमी गोलार्द्ध क्या है इसे समझना जरूरी है.अमेरिका ने UN में आरोप लगाया कि वर्षों से मादुरो और उसके साथियों ने सत्ता पर अपनी नाजायज पकड़ बनाए रखने के लिए वेनेजुएला की चुनावी प्रणाली में हेरफेर किया है.

पश्चिमी गोलार्द्ध क्या है

पश्चिमी गोलार्ध पृथ्वी का वह आधा भाग है जो प्राइम मेरिडियन (0° देशांतर, जो ग्रीनविच से गुजरती है) के पश्चिम में और 180° देशांतर के पूर्व में स्थित है. सामान्य भाषा में कहें तो यह पृथ्वी को 2 भागों में, पूर्वी और पश्चिमी गोलार्ध में विभाजित करने का भौगोलिक तरीका है. इस हिस्से में मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका और आसपास के महासागर इस गोलार्ध में आते हैं. इसमें पूरे नॉर्थ अमेरिका (कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको आदि) और साउथ अमेरिका (ब्राजील, अर्जेंटीना, चिली आदि) के देश शामिल हैं. तकनीकी रूप से कुछ हिस्से यूरोप (जैसे आइसलैंड, पश्चिमी ब्रिटेन), अफ्रीका के पश्चिमी भाग, ओशिनिया के कुछ द्वीप और अंटार्कटिका का भाग भी आते हैं, लेकिन आम बोलचाल और भूगोल में पश्चिमी गोलार्ध का मतलब मुख्यत: अमेरिकी महाद्वीपों से होता है.

UN में वेनेजुएला को लेकर क्या क्या बोला अमेरिका

इस तरह से अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ ऑपरेशन कर इस स्वंय को इस पूरे एरिया का स्वयंभू मालिक घोषित कर दिया है. अमेरिकी राजदूत वाल्ट्ज ने कहा कि मादुरो सिर्फ़ एक आरोपी ड्रग तस्कर नहीं है, वह एक नाजायज तथाकथित राष्ट्रपति था. वह कोई राष्ट्राध्यक्ष नहीं था.

'अगर वेनेजुएला में सेना भेजी तो राइफलों से व्हाइट हाउस पर कब्जा कर लेंगे'

जब माद्रुरो के बेटे ने ट्रंप को दी थी धमकी

'मैं निर्दोष हूं...कोई अपराध नहीं किया. मुझे तीन जनवरी से अगवा करके यहां रखा गया है. मुझे वेनेजुएला में काराकास के मेरे घर से पकड़ा गया था. मैं अब भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं...', ये शब्द उस राष्ट्रपति के हैं जिसे रात के अंधेरे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस समेत बेडरूम से उठवा लिया. वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी फिलहाल न्यूयॉर्क की एक जेल में कैद हैं. ट्रंप राष्ट्रपति मादुरो को अगवा करने के बाद वेनेजुएला को अपने हिसाब से चलाने की तैयारी में हैं लेकिन एक 'प्रिंस' है जो उनकी इन उम्मीदों पर पानी फेर सकता है. मादुरो को अगवा किए जाने के बाद वेनेजुएला की उप राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को वहां का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है. लेकिन ट्रंप चाहते हैं कि वो उनके इशारों पर काम करें. रोड्रिगेज ने ऐसा कुछ करने से इनकार किया है जिसके बाद ट्रंप ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि अगर वो अमेरिका के कहे अनुसार सत्ता नहीं चलाती तो वेनेजुएला में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की जाएगी. इसी दौरान मादुरो के बेटे ने ट्रंप को धमकी देते हुए कहा था कि अगर उन्होंने वेनेजुएला की तरफ आंख उठाकर देखा तो उनके सैनिक व्हाइट हाउस पर कब्जा कर लेंगे. ट्रंप की इन धमकियों पर एक 'प्रिंस' बार-बार पलटवार कर रहा है और कह रहा है कि वेनेजुएला सुरक्षित हाथों में है. इस 'प्रिंस' का नाम है निकोलस मादुरो गुएरा, जो कि मादुरो के बेटे हैं. मादुरो को अगवा किए जाने के बाद से ही उनके बेटे ट्रंप पर हमलावर हैं. उन्होंने ट्रंप की कार्रवाई को बाहरी आक्रमण करार देते हुए कहा कि इसके जवाब में राजनीतिक और सैन्य समन्वय की जरूरत है.

काशी एक्सप्रेस में बम की धमकी से हड़कंप

मऊ में पूरी ट्रेन को खाली कराकर पुलिस ने ली तलाशी

राष्ट्रबाण

मऊ. मऊ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर मंगलवार सुबह हड़कंप और अफरा-तफरी का माहौल हो गया. यहां पुलिस कंट्रोल रूम को एक अज्ञात कॉल के द्वारा यह सूचना मिली कि गोरखपुर से मुंबई जा रही काशी एक्सप्रेस ट्रेन में बम रखा है. ट्रेन के मऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के पहले ही मऊ के एसपी सहित भारी पुलिस बल, जीआरपी और आरपीएफ की टीम द्वारा प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों को बाहर किया गया. साथ ही जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आकर रुकी पुलिस द्वारा माइक से अनाउंस करके ट्रेन में बैठे सभी यात्रियों को बाहर निकाल कर पूरे ट्रेन की सघन जांच की गई.

हालांकि जांच के दौरान ट्रेन से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला. लेकिन प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ही एक लावारिस बैग दिखाई दिया, जिसे पुलिस ने बड़े डंडे के सहारे प्लेटफॉर्म से बाहर निकाल दिया. फिर बम स्क्वॉड ने उसकी जांच की लेकिन उसमें भी कुछ नहीं मिला. इस पूरे मामले को लेकर मऊ के एसपी इलमारी ने बताया कि सुबह 9:30 बजे कंट्रोल रूम को एक अज्ञात कॉल आया था. कॉल करने वाले ने कहा था कि गोरखपुर से मुंबई जाने वाली काशी एक्सप्रेस ट्रेन में बम है.

सूचना मिलते ही मऊ पुलिस की पूरी टीम, जीआरपी , आरपीएफ हम सभी लोगों ने तैयारी की हुई थी. जैसे ही ट्रेन मऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंची वहां से पब्लिक और यात्रियों को सुरक्षित दूर हटा दिया गया. हम लोगों की संयुक्त टीम द्वारा सभी ट्रेन की बोगियों की चेकिंग की गई. चेकिंग के दौरान अभी ऐसा कुछ नहीं मिला है. हम लोग और भी चेकिंग कर रहे हैं. साथ ही जो अज्ञात कॉल आया था. उसके बारे में भी जानकारी की जा रही है. इलमारी ने कहा कि यह इंटरनेट कॉल लग रहा है. हम लोगों की सर्विलांस टीम इस पर काम कर रही है.

रविवार को बजट होगा पेश और खुलेगा शेयर बाजार?

सामने आया यह बड़ा अपडेट

राष्ट्रबाण

दिल्ली. केंद्रीय बजट हर साल 1 फरवरी को पेश किया जाता है. इस बार 1 फरवरी रविवार को पड़ रहा है, जिसे लेकर कई तरह की बातें सामने आई हैं. हालांकि अब सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को इंडिया टुडे को बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, 1 फरवरी को 2026 का केंद्रीय बजट पेश कर सकती हैं.

संसदीय कार्य समिति (CCPA) बुधवार को होने वाली बैठक में बजट सत्र की तारीखों पर आखिरी फैसला ले सकती है. अधिकारियों के अनुसार, CCPA की बैठक में संसद के बजट सत्र का कार्यक्रम और इस साल केंद्रीय बजट पेश करने की सटीक तारीख दोनों तय की जाएंगी, क्योंकि 1 फरवरी को रविवार पड़ने के कारण अनिश्चितता बनी हुई है. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के संबोधन से हो सकती है. आर्थिक सर्वेक्षण 29 जनवरी को पेश किए जाने की संभावना है. 30 और 31 जनवरी को छुट्टियां रहने की संभावना है, जिससे समिति द्वारा मंजूरी मिलने पर 1 फरवरी (रविवार) को केंद्रीय बजट पेश करने कंफर्म हो पाएगा.

पिछले साल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश किया, जिससे उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में दो कार्यकाल में पेश किए गए दस बजटों के पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड की बराबरी की.

पहले ही शुरू हो चुकी थी तैयारियां

बजट 2026 की तैयारियों का काम पहले ही शुरू हो चुका है. बजट से पहले की परामर्श बैठकें 9 अक्टूबर, 2025 से नवंबर के मध्य तक आयोजित की गईं. 2026-27 के बजट अनुमान और 2025-26 के संशोधित अनुमानों को अस्थायी रूप से अंतिम रूप दे दिया गया है. वित्त मंत्रालय केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय से जीडीपी अनुमान जुटाने की प्रक्रिया में भी है, जिसका उपयोग बजट से पहले आखिरी गणना में किया जाएगा.

फास्ट ट्रैक

बिस्तर पर लेटकर Reel देखते-देखते थम गई मासूम की सांसें

राष्ट्रबाण

अमरोहा. मां रसोई के काम में व्यस्त थीं, पिता आंगन में कुछ काम निपटा रहे थे और पलंग पर लेटा दस साल का मयंक फोन पर रील स्कॉल कर रहा था. किसी को अंदेशा नहीं था कि कुछ ही पलों में यह सुकून भरा पल मातम में बदल जाएगा. अचानक मयंक का शरीर ढीला पड़ा और वह पलंग पर बैठे-बैठे लुढ़क गया. आवाज सुनकर जब तक परिजन दौड़कर पहुंचे, तब तक घर की खुशियां खामोशी में बदल चुकी थीं. यह दर्दनाक घटना अमरोहा जिले के मंडी धनोरा इलाके की है, जहां चौथी कक्षा में पढ़ने वाले मयंक की अचानक मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है. बच्चे की मौत को डॉक्टरों ने हार्ट अटैक बताया है, लेकिन बिना पोस्टमार्टम अंतिम संस्कार हो जाने के कारण असली वजह सामने नहीं आ पाई. किसान दीपक कुमार अपने परिवार के साथ गांव में रहते हैं. पत्नी पुष्पा देवी, बड़ा बेटा मयंक और छोटा बेटा शिवम. चार लोगों का यह छोटा-सा परिवार अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में व्यस्त था. शाम करीब पांच बजे मयंक घर में रखे पलंग पर बैठकर मोबाइल फोन पर रील देख रहा था. परिजन पास ही थे, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि यह उसकी जिंदगी के आखिरी पल साबित होंगे. अचानक मयंक पलंग से लुढ़क गया. पहले तो परिजनों को लगा कि शायद चक्कर आया है, लेकिन जब उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो घर में हड़कंप मच गया. मां बदहवास होकर बेटे को आवाज देने लगीं, पिता ने तुरंत उसे उठाया और बिना देर किए डॉक्टर के पास ले गए.अस्पताल पहुंचते ही टूटा उम्मीद का धागा परिजन बच्चे को लेकर पहले नजदीकी डॉक्टर और फिर धनोरा के एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचे. अस्पताल में डॉक्टर अवनीश गिल ने बच्चे की पल्स, ब्लड प्रेशर और अन्य जरूरी पैरामीटर की जांच की.

करूर भगदड़ में एक्टर विजय से होगी पूछताछ

CBI ने TVK प्रमुख को किया समन

राष्ट्रबाण

दिल्ली. सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (CBI) ने एक्टर-पॉलिटिशियन और तमिलगा वेट्री कज़गम (TVK) के संस्थापक विजय को करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में 12 जनवरी को पेश होने के लिए समन जारी किया है. यह भगदड़ 27 सितंबर 2025 को करूर ज़िले के वेलुस्वामीपुरम में TVK की एक राजनीतिक रैली के दौरान हुई थी, जब भारी भीड़ की वजह से यह घटना जानलेवा हो गई थी. इस घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे, क्योंकि विजय की स्पीच के लिए बड़ी तादाद में समर्थक इकट्ठा हुए थे.यह घटनाक्रम तब सामने आया है.

राज्य सरकार का क्या स्टैंड?

तमिलनाडु सरकार ने शुरुआत में, इस घटना की CBI जांच का विरोध किया और इसके बजाय मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई. राज्य ने कोर्ट में दलील दी है कि SIT इस घटना की जांच के लिए काफी है और बेहतर स्थिति में है. इसके साथ ही, स्टेट ने कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है.

CM मोहन यादव ने वापस दिलाई पुलिस की वर्दी

इंटरनेशनल क्रिकेटर के पिता हो गए थे सस्पेंड

राष्ट्रबाण

भोपाल. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्लेयर क्रांति गौड़ से किया बड़ा वादा निभा दिया है. क्रिकेटर क्रांति गौड़ के पिता मुन्ना सिंह की पुलिस की नौकरी को राज्य सरकार ने बहाल कर दिया है. राज्य के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है. क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश की अंतर-राष्ट्रीय क्रिकेटर हैं और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप जीतने वाली महिला वनडे टीम में शामिल थीं.

क्यों सस्पेंड हुए थे क्रांति गौड़ के पिता? मंत्री विश्वास सारंग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, क्रिकेटर क्रांति गौड़ के पिता मुन्ना सिंह मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक के पद पर थे. उन्हें साल 2012 में चुनाव ड्यूटी के दौरान लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया था. यह मामला साल 2013 से ही लंबित था. मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल से अब इस पूरे मामले में सकारात्मक समाधान मिला है.

मुख्यमंत्री ने वादा निभाया- मंत्री विश्वास सारंग

मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विश्वास सारंग ने बताया है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने क्रिकेटर क्रांति गौड़ से किया गया अपना वादा पूरा किया है. उन्होंने क्रिकेटर के पिता मुन्ना सिंह की सेवा बहाल करने के निर्देश दिए थे. सीएम के निर्देश के बाद मध्य प्रदेश के पुलिस मुख्यालय ने कार्रवाई की और मुन्ना सिंह की सेवा वापस से बहाल कर दी है. मंत्री विश्वास सारंग ने कहा– इस फैसले से न सिर्फ परिवार को राहत मिली है, बल्कि यह खिलाड़ियों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता, सम्मान और न्यायपूर्ण दृष्टिकोण का भी उदाहरण है."

पूर्व CM विलासराव देशमुख पर BJP चीफ का विवादित बयान

अब बेटे से मांगी माफी

राष्ट्रबाण

मुंबई. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख को लेकर विवादित टिप्पणी की थी. इस पर रितेश देशमुख ने प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने कहा था कि उनके पिता का नाम कोई नहीं मिटा सकता. इस बीच रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख की यादों को 'मिटाने' संबंधी उनकी टिप्पणी राजनीतिक रूप से प्रेरित नहीं थी और अगर इससे दिवंगत नेता के पुत्र की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह उनसे माफी मांगते हैं. लातूर महानगर पालिका चुनावों से पहले चव्हाण ने सोमवार (5 जनवरी) को कहा था कि दिवंगत कांग्रेस नेता विलासराव देशमुख की यादें उनके गृह नगर लातूर से "मिटा दी जाएंगी."

सभा को संबोधित करते हुए बोले थे बीजेपी नेता

सोमवार को लातूर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए चव्हाण ने कहा था, आपका उत्साह देखकर मैं सौ फीसदी भरोसे के साथ कह सकता हूं कि विलासराव देशमुख की यादें इस शहर से मिट जाएंगी. महाराष्ट्र के दो बार मुख्यमंत्री रहे देशमुख लातूर के निवासी थे और क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को लोग आज भी याद करते हैं. रितेश ने एक वीडियो बयान में कहा, मैं हाथ जोड़कर कहना चाहता हूं जो लोग जनता के लिए जीते हैं, उनके नाम लोगों के दिल में गहरी छाप छोड़ जाते हैं. लिखे हुए को मिटाया जा सकता है, लेकिन गहरी छाप को नहीं.

अपने बयान पर क्या बोले बीजेपी नेता?

अपने विवादास्पद बयान पर सफाई देते हुए चव्हाण ने मंगलवार को कहा, इन स्थानीय निकाय चुनावों में नागरिक सुविधाएं मुख्य मुद्दा होनी चाहिए. इन समस्याओं का तेजी से समाधान कौन कर सकता है, यह अधिक महत्वपूर्ण है. मैंने अपने बयान में विलासराव देशमुख की आलोचना नहीं की. लेकिन कांग्रेस वहां (लातूर में) विलासराव देशमुख के नाम पर वोट मांग रही है.उन्होंने कहा, "विलासराव देशमुख बड़े नेता थे और उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में काम किया. मेरे अच्छे मित्र एवं उनके बेटे की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उनसे माफी मांगता हूं. इस बयान को राजनीतिक रूप से नहीं देखा जाना चाहिए." चव्हाण ने कहा कि लातूर के लोगों को विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ओवैसी बोले- मेरे 6 बच्चे हैं, तुम 8 बच्चे पैदा करो, तुम्हें कौन रोक रहा है?

नवनीत राणा के बयान के बाद ली चुटकी

राष्ट्रबाण

मुंबई. बीजेपी नेता नवनीत राणा के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयान के बाद AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है और नवनीत का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा है. ओवैसी ने कहा कि उनके छह बच्चे हैं और उन्होंने सवाल किया कि तुम्हें आठ बच्चे पैदा करने से कौन रोक रहा है.

महाराष्ट्र के अकोला में बोले ओवैसी महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली में ओवैसी ने कहा, मेरे 6 बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है. किसी ने कहा कि चार बच्चे होने चाहिए.

भागवत और नायडू पर भी साधा निशाना

ओवैसी ने अपने बयान में RSS प्रमुख मोहन भागवत और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयानों को भी याद दिलाया, जिनकी TDP, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का हिस्सा है. तमाम राजनीतिक मंचों से इस तरह के बयान पहले भी दिए जा चुके हैं. जिसमें एक खास वर्ग के नेता ये कहते हैं कि मुस्लिम समुदाय के लोग ज्यादा बच्चे पैदा करके भारत को पाकिस्तान बनाना चाहते हैं.

BMC चुनाव जीते तो क्या करेंगे?

पहली बार उम्मीदवारों से नॉमिनेशन फॉर्म में लिखवाया गया प्लान पर निबंध

राष्ट्रबाण

मुंबई. बीएमसी आम चुनाव के इतिहास में पहली बार उम्मीदवारों को नामांकन पत्र और शपथ पत्र दाखिल करने के अलावा और भी कुछ करने को कहा गया. नामांकन पत्र जमा करने वाले सभी 2516 उम्मीदवारों को एक निबंध लिखना अनिवार्य था. निर्देशानुसार निबंध 100 से 500 शब्दों के बीच होना चाहिए. इस निबंध में उन्हें यह बताना था कि निर्वाचित होने पर वे अपने स्थानीय क्षेत्रों का विकास कैसे करेंगे. राज्य चुनाव आयोग के सचिव सुरेश काकानी ने कहा कि यह प्रावधान 2018 में लागू किया गया था और तब से उपचुनावों में इसका उपयोग किया जाता रहा है. लेकिन इतने बड़े पैमाने के आम नगर निगम चुनाव में पहले कभी नहीं किया गया.

कॉलम पर क्या बोले प्रत्याशी

अधिकारियों ने बताया कि यदि कोई उम्मीदवार निबंध वाले कॉलम को नहीं भरता है, तो जांच के दौरान नामांकन पत्रों को खारिज करने के लिए रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा स्पष्ट आदेश जारी किए गए थे. इस कदम से उम्मीदवार बुरी तरह विभाजित हो गए. कुछ ने इस अनिवार्यता का स्वागत करते हुए इसे अपने एजेंडे को स्पष्ट करने का अवसर बताया, जबकि अन्य ने इसे अनावश्यक और यहां तक कि अव्यावहारिक भी करार दिया.

बीजेपी प्रत्याशी बोले- कोई परेशानी नहीं: मलाड (पूर्वी) से भाजपा उम्मीदवार विनोद मिश्रा ने कहा कि एक पूर्व पार्षद के रूप में, मेरे पास पहले से ही एक स्पष्ट कार्ययोजना है और कई लंबित कार्य हैं जिन्हें मैं निर्वाचित होने के बाद पूरा करना चाहता हूं. उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपनी योजनाओं को लिखित रूप में देने में कोई परेशानी नहीं है.

मामला जाना चाहता है आजमगढ़

राम रहीम के बाद अबू सलेम ने मांगी इमरजेंसी पैरोल

राष्ट्रबाण

मुंबई. डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को बार-बार मिल रही परोल को लेकर मचे बवाल के बीच अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने भी इमरजेंसी परोल की मांग करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है. राम रहीम रेप और हत्या के मामले में 20 साल की जेल और उम्रकैद की दोहरी सजा काट रहा है. उसे 8 साल में 15वीं बार परोल मिली है. वहीं अबू सलेम 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट और बिल्डर की हत्या का दोषी है. गैंगस्टर अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद परिवार से मिलने और अंतिम संस्कार की रस्में अदा करने के लिए इमरजेंसी परोल की मांग की है.

उसने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) जाने की अनुमति मांगी गई है. सलेम के बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का 14 नवंबर 2025 को निधन हो गया था. सलेम ने उन्हें पिता तुल्य बताया है. अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद इमरजेंसी परोल मांगी है, ताकि 40वें दिन की रस्में, कुरान ख्वानी, कब्रिस्तान पर दुआ और परिवार से मिल सके. न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम सी. चांडक की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार के बाद 40 दिनों की अवधि पहले ही पूरी हो चुकी है. इस पर सलेम की ओर से अधिवक्ता फरहाना शाह ने दलील दी कि याचिका समय पर दाखिल की गई थी, लेकिन शीतकालीन अवकाश के कारण उस पर सुनवाई नहीं हो सकी. अबू सलेम ने अपनी याचिका में कहा है कि उसके बड़े भाई अबू हकीम अंसारी पिछले तीन महीने से गंभीर रूप से बीमार थे, इसलिए उसने जेल अधीक्षक से नियमित परोल की प्रक्रिया तेजी से निपटाने का अनुरोध किया था, ताकि वह अपने भाई के जीवित रहते उनसे मिल सके. लेकिन उसका आवेदन लंबित रहा और दुर्भाग्यवश उसके बड़े भाई का उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित पैतृक घर में निधन हो गया. याचिका में सलेम ने कहा है, 'अपने भाई की मृत्यु के बाद, मैंने कब्रिस्तान में होने वाले मजहबी रस्मों, 40वें दिन की नमाज, कुरान ख्वानी और अन्य मजहबी इबादत में शामिल होने और अपने भाई के परिवार के सभी सदस्यों, विशेषकर महिलाओं और स्वयं के परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने के लिए जेल अधिकारियों के सामने आपातकालीन परोल के लिए आवेदन किया था.

अबू सलेम ने 1 दिसंबर को एडीजीपी के समक्ष अपील दायर की, जिन्होंने उसको एस्कॉर्ट पार्टी के साथ जाने की अनुमति दी. लेकिन लाखों रुपये के एस्कॉर्ट खर्च का बोझ सलेम नहीं उठा सका. डीआईजी प्रिजन ने भी उसका आवेदन ठुकरा दिया, क्योंकि कोई जमानतदार नहीं मिला और सलेम फ्लाइट रिस्क है. अबू सलेम का कहना है कि उसका छोटा भाई जमानतदार बनने वाला था, लेकिन वह पढ़ा लिखा नहीं और कुछ गलतफहमी के कारण वह जमानत देने के लिए नहीं आ सका. उसने कहा कि दो वकील उसके जमानतदार बनने को तैयार हैं. उसने अदालत में कहा कि पहले 2009 और 2011 में मां व खाला की मौत पर उसे परोल मिली थी और उसने समय पर जेल में आत्मसमर्पण कर दिया था. अबू सलेम 2005 से नासिक सेंट्रल जेल में बंद है. उसे दो मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, पहला मामला 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट का था जिसमें 257 लोगों की मौत हुई थी और 1400 लोग घायल हुए थे, और दूसरा मामला 1995 में बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या का था.

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 7 जनवरी 2026

राजधानी राष्ट्रबाण

• बैरसिया • हुजूर • कोलार

भोपाल में 2 हजार से ज्यादा भावी शिक्षकों का प्रदर्शन

मध्यप्रदेश शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग, डीपीआई का घेराव करने पहुंचे

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी और शिक्षक चयन परीक्षाओं में बेहद कम पद घोषित किए जाने के खिलाफ मंगलवार को भोपाल में बड़ा आंदोलन कर रहे हैं। प्रदेशभर से करीब 2000 भावी शिक्षक राजधानी पहुंचे हैं। यह लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) और जनजातीय कार्य विभाग का संयुक्त घेराव करने पहुंचे हैं। यहां वे हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि हजारों पद रिक्त होने के बावजूद भर्ती में घोषित सीटें ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही हैं। इससे न सिर्फ योग्य अभ्यर्थी बाहर हो रहे हैं, बल्कि स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। प्रदर्शनकारी चेतावनी दे चुके हैं कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया, तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन और भूख हड़ताल जैसे चरण में बदला जाएगा। यह प्रदर्शन शिक्षा व्यवस्था में सुधार और युवाओं को न्याय दिलाने की मांग को लेकर किया जा रहा है।

पद बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन

मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा (वर्ग-2) और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा (वर्ग-3) में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

ईडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग में शून्य पदों का आरोप

अभ्यर्थियों ने जनजातीय कार्य विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कई विषयों में ईडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग के लिए शून्य पद दर्शाए गए हैं, जिससे इन वर्गों के युवाओं में गहरी निराशा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह सामाजिक न्याय की भावना के खिलाफ है और इससे आरक्षण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं।

छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा सीधा असर

शिक्षक संगठनों का कहना है कि पदों की कमी का सबसे बड़ा नुकसान छात्रों को हो रहा है। कई स्कूलों में एक ही शिक्षक को कई विषय पढ़ाने पड़ रहे हैं। इससे न सिर्फ शिक्षण गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि परीक्षा परिणामों पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। नई शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात सुधारने पर जोर दिया गया है, लेकिन पर्याप्त नियुक्तियों के बिना इसे लागू करना संभव नहीं है।

अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगें

आंदोलनकारियों ने राज्य सरकार के सामने कई प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें शिक्षक भर्ती वर्ग-2 के सभी विषयों में कम से कम 3-3 हजार पदों की वृद्धि, प्राथमिक शिक्षक भर्ती (वर्ग-3) में पदों की संख्या बढ़ाकर 25 हजार करना, और द्वितीय काउंसिलिंग जल्द शुरू करना शामिल है। इसके अलावा अभ्यर्थियों ने यह भी मांग की है कि जब तक शिक्षक भर्ती 2025 पद वृद्धि के साथ पूरी नहीं हो जाती, तब तक नई पात्रता परीक्षा आयोजित न की जाए।

विदेश जाना था, पासपोर्ट में छिपाई उम्र

भोपाल पासपोर्ट ऑफिस की जांच में खुलासा; नाबालिग ने किया था आवेदन

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

विदेश जाने के लिए एक नाबालिग ने खुद को वयस्क दिखाने के लिए पासपोर्ट आवेदन में ही जन्मतिथि गलत दर्ज कर दी। जब दस्तावेज सत्यापन हुआ तो मामला पकड़ में आ गया। जांच में वास्तविक उम्र 16 वर्ष सामने आने के बाद पासपोर्ट कार्यालय ने आवेदन खारिज करते हुए आवेदक को सख्त चेतावनी दी और फाइल बंद कर दी। जानकारी के अनुसार, पासपोर्ट आवेदन की प्रारंभिक जांच के दौरान अधिकारियों को उम्र को लेकर संदेह हुआ। इसके बाद स्कूल से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। रिकॉर्ड मिलान में साफ हुआ कि आवेदन में दर्ज जन्म वर्ष बदला गया था। ताकि, आवेदक वयस्क प्रतीत हो। नाबालिग होने की पुष्टि होते ही पासपोर्ट अदालत ने तत्काल आवेदन निरस्त कर दिया।

पुलिस कार्रवाई से बचने की गुहार

पासपोर्ट ऑफिस के अनुसार, किशोरी ने मामले में पुलिस को सूचना न देने का आग्रह किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उसे भविष्य के लिए सचेत किया गया। साथ ही निर्देश दिए गए कि स्कूल मार्कशीट के अनुसार आधार कार्ड में जन्म तिथि का सुधार कराया जाए। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि नाबालिग आवेदकों के मामले में माता-पिता की उपस्थिति और आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य होते हैं। चेतावनी के बाद किशोरी ने गलती स्वीकार की, जिसके बाद फाइल क्लोज कर दी गई।

कोर्ट केस छिपाया, फिर लानी पड़ी एनओसी

इसी सुनवाई के दौरान एक अन्य आवेदक का मामला भी सामने आया। जिसने पासपोर्ट आवेदन में अपने खिलाफ अदालत में लंबित प्रकरण की जानकारी नहीं दी थी। पुलिस वेरिफिकेशन में तथ्य उजागर होने पर आवेदन पर एडवर्स रिपोर्ट लगी और नोटिस जारी किया गया। नोटिस के जवाब में आवेदक ने कोर्ट से एनओसी प्राप्त कर पेश की, जिसके बाद आवेदन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया।

भोपाल में पानी की टंकियां देखने पहुंचे कांग्रेसी, बरखेड़ा पठानी में गंदगी मिली

श्यामला हिल्स के फिल्टर प्लांट का पानी बड़ा तालाब में मिलते दिखा

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 17 लोगों की मौत हो गई। भोपाल में भी कई इलाकों में गंदे पानी की सप्लाई की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे में नगर निगम का अमला मैदान में उतरकर न सिर्फ सैंपल ले रहा है, बल्कि वाल्व भी सुधार रहा है। इसी बीच मंगलवार को कांग्रेसी भी शहर की पेयजल टंकियों और फिल्टर प्लांट की जांच करने निकले। बरखेड़ा पठानी स्थित टंकी में गंदगी मिली तो श्यामला हिल्स के फिल्टर प्लांट का रा वाटर बड़ा तालाब में मिलते दिखा। इस पर कांग्रेसियों ने आपत्ति ली और तुरंत सुधार कराए जाने की चेतावनी दी है।

पार्षदों को बड़ा तालाब में पानी मिलते मिला

मंगलवार सुबह नगर निगम के कांग्रेसी पार्षद श्यामला हिल्स स्थित वाटर फिल्टर प्लांट पहुंचे। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी, पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, मो. जहीर आदि मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष जकी ने बताया कि श्यामला हिल्स के फिल्टर प्लांट का पानी बड़ा तालाब में मिलते दिखा। बड़ा तालाब से ही शहर के कई इलाकों में पानी की सप्लाई की जाती है। ऐसे में रा वाटर मिलना गलत है। जकी ने कहा कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट चालू नहीं था। सिर्फ कागजी कार्रवाई ही देखने को मिली। रिपोर्ट भी नहीं मिली कि पानी का नियमित सैंपल लिया जाता है। केमिस्ट ग्रेजुएशन पास है। यह रसायन शास्त्र में ग्रेजुएट होना जरूरी है। पानी की गुणवत्ता भी सही नहीं मिली। पानी को फिल्टर करने में जो दिशा-निर्देशों का पानी जरूरी होता है, वह भी नहीं दिखा।

महापौर ने ली बैठक, पानी-सीवेज की समीक्षा की

कांग्रेस के विरोध के बीच दोपहर में आईएसबीटी स्थित निगम ऑफिस में महापौर मालती राय ने जल एवं सीवेज को लेकर समीक्षा बैठक भी की। इसमें इंजीनियरों को जरूरी निर्देश दिए गए। एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, सिविल इंजीनियर आरके त्रिवेदी भी मौजूद थे।

गंदगी लापरवाही सामने आई- झूमरवाला

कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला ने गोविंदपुरा विधानसभा के बरखेड़ा पठानी क्षेत्र स्थित टंकी पर चढ़कर निरीक्षण किया। वीडियो भी बनाया। इस दौरान टंकी के अंदर और आसपास गंदगी मिली। झूमरवाला ने कहा कि इसी टंकी से रोजाना हजारों लोगों को पीने का पानी सप्लाई होता है। दूषित पानी से संक्रमण और गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की। चेतावनी दी कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इंदौर जैसी दुखद घटना यहां भी हो सकती है। इसके अलावा टंकी के आसपास गंदगी और शराबियों का जमावड़ा भी दिखाई दिया। झूमरवाला ने बताया कि भोपाल शहर की सभी टंकियों की तुरंत सफाई कराई जाए। यह वक्त चेतावनी देने का नहीं बल्कि तत्काल कार्रवाई का है। पानी जीवन है और जीवन के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकती।

आज बाजार से 4000 करोड़ उठाएगी मोहन सरकार

तीन हिस्सों में लिया जाएगा कर्ज, नौ माह में 53100 करोड़ रुपए बाजार से उठाए

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार के लिए नए साल का पहला मंगलवार कर्ज के बोझ के साथ शुरू हो रहा है। सरकार मंगलवार को बाजार से 4 हजार करोड़ रुपए का नया कर्ज लेने जा रही है। कर्ज की राशि बुधवार को मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक प्रदेश सरकार पहले ही 53100 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है। मंगलवार को लिए जाने वाले नए कर्ज के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 57100 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

तीन अलग-अलग अवधि का कर्ज लेगी सरकार

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से सरकार आज तीन हिस्सों में कर्ज लेने जा रही है। इसमें पहले और दूसरे कर्ज की राशि 1500-1500 करोड़ रुपए होगी, जबकि तीसरा कर्ज 1,000 करोड़ रुपए का रहेगा। पहला 1500 करोड़ रुपए का कर्ज 4 साल की अवधि के लिए लिया जाएगा। दूसरा 1500 करोड़ रुपए का कर्ज 12 साल की अवधि का होगा। तीसरा 1000 करोड़ रुपए का कर्ज 18 साल की लंबी अवधि के लिए लिया जा रहा है। इन सभी कर्ज पर लगने वाले ब्याज का भुगतान सरकार हर साल जुलाई और जनवरी में छमाही आधार पर करेगी। राज्य सरकार की बढ़ती उधारी एक बार फिर वित्तीय प्रबंधन और कर्ज के दबाव को लेकर सवाल खड़े कर रही है, खासकर तब जब चालू वित्त वर्ष में कर्ज का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है।

भोपाल में युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सेमरी बाजयाफ्ता गांव में रहने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए रवाना कर दिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि विनोद अहिरवार पिता रामनारायण (35), सेमरी बाजयाफ्ता में रहता था और किराने के दुकान पर काम करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बच्चे है। मंगलवार सुबह पत्नी ने उसे फंदे पर लटका देखा। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही पत्नी बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे। प्राथमिक जांच में पता चला कि वह शराब पीने का आदी था।

टीटी नगर में भी युवक ने सुसाइड किया

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित मद्रासी कॉलोनी में एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि रवि जाधव (37) मद्रासी कॉलोनी में रहता था। वह घरों में पुताई करने का काम करता था। पिछले पांच दिन से उसको काम नहीं मिला था। वह शराब पीने का आदी था। उसकी शादी नहीं हुई थी। सोमवार को वह खाना खाकर सो गया था। मंगलवार की सुबह उसके भाई ने उसे फंदे पर लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

जापान की तर्ज पर भोपाल में बिना चीरफाड़ होगा पोस्टमॉर्टम

आधा घंटे में पूरी होगी प्रक्रिया, एम्स में बनेगा वर्चुअल ऑटोप्सी सेंटर; मिली सैद्धांतिक मंजूरी

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

भोपाल जल्द ही देश के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो सकता है, जहां बिना चीरफाड़ के पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। जापान और अन्य विकसित देशों की तर्ज पर एम्स भोपाल में वर्चुअल ऑटोप्सी शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया गया है। इस मॉडर्न तकनीक से शव का पोस्टमॉर्टम बिना किसी सर्जिकल कट के संभव होगा। सोमवार को एम्स भोपाल प्रबंधन ने भारत सरकार की स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी की बैठक में इसका औपचारिक प्रस्ताव रखा है। खास बात यह है कि इस प्रस्ताव को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से पहले ही सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी थी। अब इसे वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रस्ताव पर रिस्पॉन्स सकारात्मक रहा है और जल्द ही इसके लिए फंड जारी होने की संभावना है। यह परियोजना मंजूर होती है तो एम्स भोपाल मध्यप्रदेश का पहला ऐसा अस्पताल होगा, जहां वर्चुअल ऑटोप्सी की सुविधा शुरू होगी। शिलॉन्ग स्थित एनईआईजीआरआईएचएमएस द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि फांसी के मामलों में वर्चुअल ऑटोप्सी और पारंपरिक ऑटोप्सी के नतीजों में 90 प्रतिशत तक समानता रही।

डिजिटल एविडेंस होते हैं तैयार

विशेषज्ञों के अनुसार, वर्चुअल ऑटोप्सी से तैयार होने वाली रिपोर्ट डिजिटल साक्ष्य के रूप में बेहद मजबूत होती है। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी व्यक्ति की मौत नस में ब्लॉकेज के कारण हुई है, तो रिपोर्ट में उस नस की 3डी तस्वीर होगी। यह तस्वीर तीन स्तरों में होगी- पहले पूरे शरीर में ब्लॉकेज की स्थिति, फिर संबंधित अंग और अंत में उस खास नस की क्लोज-अप इमेज। इन डिजिटल साक्ष्यों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है और अदालत में भी प्रमाण के तौर पर पेश किया जा सकता है।

परिजनों के आक्रोश का नहीं करना होगा सामना

कई मामलों में परिजन धार्मिक या सामाजिक कारणों से शव की चीरफाड़ नहीं चाहते। इसे लेकर अस्पतालों में विवाद की स्थिति भी बन जाती है। जिसका सामना कई बार मौजूद डॉक्टरों को करना पड़ता है। पुलिस कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम कराती है, लेकिन इससे परिवार मानसिक रूप से आहत होता है। वर्चुअल ऑटोप्सी इस समस्या का समाधान बन सकती है, क्योंकि इसमें शरीर को बिना नुकसान पहुंचाए जांच पूरी की जाती है। इससे परिजनों को शव सही अवस्था में सौंपा जा सकेगा।

नीति में संशोधन करने और सीनियरिटी के आधार पर विभागों में रिक्त पदों पर संविलयन की मांग

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा से मिले संविदा कर्मचारी

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रदेश के संविदा कर्मचारियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा से मुलाकात कर विभागों में रिक्त पदों पर संविदा कर्मचारियों, अधिकारियों संविलियन किए जाने और 22 जुलाई 2023 को जारी संविदा नीति में संशोधन किए जाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने संविदा कर्मचारियों को वरिष्ठता के हिसाब से विभागों में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए अथवा संविलियन किया जाए। संविदा कर्मचारियों के वेतन भत्ते, वरिष्ठता के आधार पर निर्धारित किए जाएं।

मुलाकात के दौरान डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा को बताया गया कि 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति में 50त्न पदों के आरक्षण का उल्लेख किया गया है, जिसमें संविदा कर्मचारियों को परीक्षा देनी होगी लेकिन चतुर्थ श्रेणी तथा वाहन चालक के जो पद हैं उन पदों पर मध्य प्रदेश शासन ने भर्ती पर प्रतिबंध लगा रखा हुआ है जिसके कारण चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती नहीं होगी। इस नीति से चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को कोई लाभ नहीं होगा जिसके कारण 25 से 30 वर्षों से संविदा पर काम करने वाले कर्मचारी कभी नियमित नहीं हो पाएंगे। इसलिए स्कूल शिक्षा विभाग और अन्य विभागों में जो संविदा के पद रिक्त हैं उन रिक्त पदों पर चतुर्थ श्रेणी, वाहन चालक, चौकीदार के संविदा कर्मचारियों का संविलियन कर दिया जाए। बताया गया कि 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति में अनेक विसंगतियां हैं। इस नीति में संशोधन किया जाए। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने संविदा कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर निर्णय लिया जाएगा। डिप्टी सीएम से मुलाकात करने वालों में म.प्र. संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर, अल्प वेतन भोगी कर्मचारी संघ समग्र शिक्षा अभियान के संरक्षक भगवान दास ढालिया, अध्यक्ष राजकुमार साकल्ले के अलावा प्रदेश से आए हुए संविदा कर्मचारी शामिल रहे।

संविदा नीति की इन विसंगतियों की जानकारी दी

डिप्टी सीएम देवड़ा से प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि संविदा कर्मचारियों को वरिष्ठता के हिसाब से विभागों में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए अथवा संविलियन किया जाए। संविदा कर्मचारियों के वेतन भत्ते, वरिष्ठता के आधार पर निर्धारित किए जाएं। समयमान वेतनमान दिया जाए और नियमित कर्मचारियों के समान सभी अवकाश दिए जाएं। महिला संविदा कर्मचारियों को संतान पालन अवकाश दिया जाए। जिन संविदा कर्मचारियों का ग्रेड पे कम कर दिया है उनका ग्रेड पे सुधारा जाए।

संपादकीय

रेयर अर्थ की दौड़ में दुनिया दांव पर, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की नई चाल

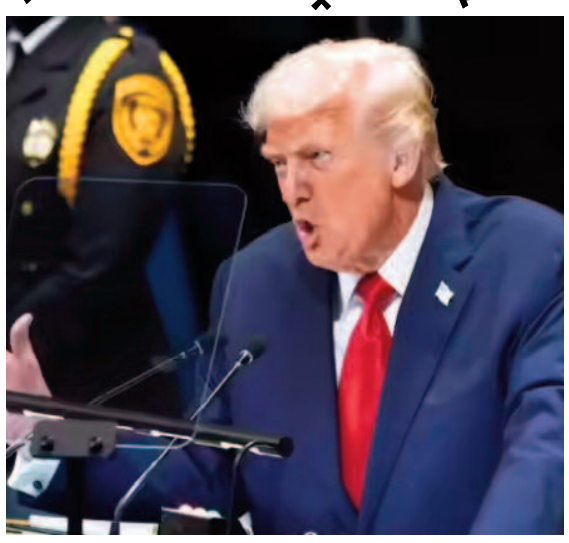

दुनियाभर में दर्जनों संघर्ष रुकवाने के सैकड़ों दावे कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद ही वैश्विक तनाव को भड़का रहे हैं. वेनेजुएला के बाद अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड को लेकर जो मेसेज आया है, वह दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए खतरा है. इससे तो अंतरराष्ट्रीय कानून, यूएन चार्टर और देशों की संप्रभुता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा.

कड़ी प्रतिक्रिया . ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर की पत्नी केटी मिलर ने एक तस्वीर पोस्ट की. जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में दिखाया गया है. इसके साथ लिखा था जल्द. स्टीफन को ट्रंप के चहेते लोगों में गिना जाता है, जबकि केटी खुद भी ट्रंप के पहले कार्यकाल में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुकी हैं. ऐसे में उनके ट्वीट पर डेनमार्क और ग्रीनलैंड की तरफ से स्वाभाविक ही कड़ी प्रतिक्रिया आई. कानूनों का उल्लंघन . किंगडम ऑफ डेनमार्क के तहत आने वाले ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की महत्वकांक्षा पुरानी है. वह कई मौकों पर खुलेआम कह चुके हैं कि उन्हें अमेरिका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड चाहिए. ऐसे में केटी मिलर की तरफ से आ रहे ऐसे आपत्ति-जनक मेसेज उसी का नतीजा है.

रेयर अर्थ पर नजर . ट्रंप पूरी दुनिया को एक कारोबारी की नजर से देख रहे हैं. उन्हें वेनेजुएला चाहिए, क्योंकि वहां तेल के भंडार है और ग्रीनलैंड चाहिए, क्योंकि वहां रेयर अर्थ का खजाना है. यही एक चीज है, जिसने अमेरिका को चीन के साथ ट्रेड वॉर में टिकने नहीं दिया. पिछले साल जब ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया, तो चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई रोक दी थी. थक हारकर अमेरिका को वार्ता की मेज पर आना पड़ा. आज दुनिया की जरूरत का 90% रेयर अर्थ चीन से आता है और अमेरिका की टेक-ऑटो-डिफेंस इंडस्ट्री इसकी मोहताज है. दोस्तों को नुकसान . ट्रंप इसे लेकर चीन का दबदबा कम करना चाहते हैं, लेकिन चोट अपने साथियों को पहुंचा रहे हैं. दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने पड़ोसी कनाडा को अमेरिका का एक राज्य बनाने की इच्छा जाहिर की थी. फिर यूरोप को लेकर नीतियां बदली. जिस डेनमार्क को लेकर उनका स्टाफ आक्रामकता दिखा रहा है, वह खुद नैटो का सदस्य है और अमेरिका की जिम्मेदारी है उसकी सुरक्षा करना. दांव पर साख . इस तरह के मेसेज केवल बातों तक सीमित नहीं रहते, उनका गहरा कूटनीतिक असर पड़ता है. अमेरिका वह नैतिकता खोता जा रहा है, जिससे रूस को यूक्रेन में और चीन को ताइवान के विलय से रोके.

उच्च शिक्षा की समस्याओं का समाधान

केवल डिग्री हासिल कर लेने को शिक्षा नहीं कह सकते . शिक्षा वह शक्ति है, जो जीवन को दिशा देती है . सफल शिक्षा एक व्यक्ति के सोचने का तरीका बदल सकती है, उसे जीवन उद्देश्य दे सकती है और अपने भीतर छिपी संभावनाएं पहचानने का अवसर दे सकती है . खासतौर पर उच्च शिक्षा वह पड़ाव है, जहां युवा अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानते हैं और भविष्य की राह खोजने की शुरुआत करते हैं . जहां एक तरफ स्कूली शिक्षा हमें हमारे आसपास की दुनिया का ज्ञान देती है, वहीं उच्च शिक्षा छात्रों को अपने विकल्प जानने की आजादी देती है .

उच्च शिक्षा समय है अलग-अलग विषयों और क्षेत्रों को समझने और यह तय करने का कि उन्हें जीवन में क्या करना है. यह प्रक्रिया सरल नहीं, जटिल होती है. एक छात्र के आजादी से अपनी राह चुन सकने के पीछे एक मजबूत संस्थान, संसाधन और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है.

भारत जैसे विशाल और विविध देश में संस्थान निर्माण एक बहुत बड़ी चुनौती है. आज देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी की उम्र 35 वर्ष से कम है. हर साल लाखों छात्र स्कूलों से निकलकर उच्च शिक्षा की ओर रुख करते हैं, लेकिन संस्थानों में इतनी सीटें ही नहीं कि सबको दाखिला मिल सके. नतीजतन प्रतिस्पर्धा और तेज होती जा रही है

और परीक्षाएं और ज्यादा मानकीकृत हो रही हैं. इस सबके साथ-साथ व्यवस्था अक्सर प्रशासनिक सुविधा की सहूलियत देखती है. इस गहन माहौल में हर छात्र की अलग पहचान और क्षमता पर ध्यान दे पाना असंभव हो जाता है. आज भारत में लगभग 70,018 उच्च शिक्षा संस्थान हैं.

भले ही यह उत्साहजनक लगे, लेकिन देश की जरूरतों के मुकाबले अभी भी पर्याप्त नहीं. युवावर्ग अब भी बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा खोज रहा है. आपूर्ति की कमी का असर छात्र के इस निर्णय पर पड़ता है कि वह कहां पढ़े. सख्त आव्रजन नीतियों के बाद भी भारतीय छात्र बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने जा रहे हैं. कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन उनके प्रमुख गंतव्य हैं. हालांकि अब फ्रांस, आयरलैंड और इटली भी तेजी से छात्रों में लोकप्रिय हो रहे हैं. जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार 12 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे. इस आंकड़े से घरेलू स्तर पर आवश्यकता और सीमित विकल्प साफ उजागर होते हैं. इन चुनौतियों के बीच से ही बड़े अवसर भी उत्पन्न होते हैं. तेजी से बदलती दुनिया में पहला अवसर नवाचार में निहित है. भारत में हमें अधिक बहुविषयक कार्यक्रमों की आवश्यकता है. हमें ऐसे कार्यक्रमों के बारे में सोचना होगा, जो तकनीक, पर्यावरण, सूचना और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हों. मैनेजमेंट, कानून और मेडिकल जैसे पारंपरिक कोर्स को भी नए ढंग से देखना होगा. नए पाठ्यक्रम, बेहतर तकनीक और उद्योग से पढ़ाई को जोड़ कर भारतीय संस्थान खुद को वैश्विक स्तर पर मजबूत बना सकते हैं. दूसरा बड़ा अवसर है, डिजिटल शिक्षा. हाइब्रिड माडल प्रभावी हो सकते हैं, जिन्हें आनलाइन और आफलाइन पढ़ाई को मिलाकर बनाया गया हो. अगर सही ढंग से लागू किए जाएं तो ये बड़े पैमाने पर लाभकारी शिक्षा का साधन बन सकते हैं. भारत जैसे विशाल और विविध देश में, जहां छात्र दूरदराज के इलाकों में रहते हैं, डिजिटल शिक्षा एक असरदार समाधान प्रस्तुत करती है. अपने सशक्त डिजिटल ढांचे की सहायता से भारत विश्व के लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकता है, और उसे ऐसा करना भी चाहिए.

"भारत और बांग्लादेश: अगली परीक्षा"

'हमारी नीति बांग्लादेश केंद्रित होगी. हम दिल्ली और रावलपिंडी केंद्रित नहीं होंगे' - खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान का यह बयान बेहद प्रभावशाली है. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया का निधन न केवल उस देश के इतिहास में, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण घटना है. बेगम खालिदा बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं. उनकी पार्टी, बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी, डेढ़ दशक बाद एक बार फिर सत्ता के करीब पहुंची, कुछ हद तक उनकी अपनी उपलब्धियों के कारण. शेख हसीना, जो इस डेढ़ दशक में उनकी मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी थीं, फिलहाल भारत में छिपी हुई हैं. उनकी पार्टी, अवामी लीग को वहां की अंतरिम सरकार ने फरवरी में होने वाले आम चुनावों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी. इसलिए, इस लगभग नेतृत्वहीन पार्टी का भविष्य अनिश्चित सा लगता है. बांग्लादेशी दो दशकों से अधिक समय से इन दोनों के बीच 'बेगमों की लड़ाई' के आदी हो चुके थे. महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दौरान बांग्लादेश में लोकतांत्रिक व्यवस्था लगातार लागू रही. यह पूरी तरह से दोषमुक्त नहीं था. हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दोनों

पाकिस्तानों में से 'इस' पाकिस्तान ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को लागू करने में अधिक परिपक्वता दिखाई है. लेकिन, दोनों बेगमों की अनुपस्थिति में वहां पैदा हुआ राजनीतिक और संस्थागत शून्य अभी भी अंधकार में डूबा हुआ है. इस शून्य का फायदा उठाते हुए, कई वर्षों से निष्क्रिय पड़े इस्लामी चरमपंथी वहां सक्रिय हो गए हैं. उन्हें निश्चित रूप से पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त है. पाकिस्तान को चीन का समर्थन प्राप्त है. और वर्तमान में, बांग्लादेश में भारत-विरोधी लहर चल रही है, जो कुछ हद तक भारत-विरोधी भी है. अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों के लिए यह कहना आवश्यक नहीं है कि यह स्थिति भारत के दो मुख्य शत्रुओं के लिए पहले से कहीं अधिक अनुकूल है. सवाल यह है कि अब हम क्या करेंगे?

विदेश मंत्री एस. जयशंकर खालिदा जिया के अंतिम संस्कार के लिए ढाका गए थे. खालिदा जब मृत्युशय्या पर थीं, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी. इसे बांग्लादेश की नई राजनीतिक वास्तविकता के अनुकूल ढलने की दिशा में एक शुरुआत कहा जा सकता है. यह एक सतर्क स्वागत है. खालिदा जिया की बीएनपी और शेख हसीना की अवामी लीग, दोनों दलों की विचारधारा में कुछ अंतर है.

न्याय के कठघरे में 'सरकारी उदारता'

आमतौर पर जघन्य अपराधों के दोषी ठहराए गए कैदियों के प्रति गैरजरूरी और एक सीमा से ज्यादा नरमी बरतना न्याय की अवधारणा के अनुकूल नहीं माना जाता है. मगर हत्या और बलात्कार के अपराध में दोषी ठहराए जाने के बावजूद किसी खास सजायाफ्ता कैदी के प्रति सरकार का रुख जब जरूरत से ज्यादा उदार दिखने लगे, तो स्वाभाविक ही यह सवाल उठता है कि आखिर कानून

और सजा का मतलब क्या रह गया! गौरतलब है कि बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध में दोषी साबित होने के बाद जेल में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को एक बार फिर चालीस दिनों की पैरोल मिल गई. भले ही इस छूट के लिए सरकार की ओर से पेश दलीलों पर तमाम सवाल उठ रहे हों, लेकिन राम रहीम अगले चालीस दिनों तक जेल के बाहर रहेगा.

दरअसल, अदालत में इस पैरोल मिलने के मसले पर हरियाणा सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि वह कोई 'पेशेवर अपराधी' नहीं है और जेल में 'अच्छे चाल-चलन' वाला कैदी है. सवाल है कि जिस कसौटी पर सरकार ने राम रहीम के प्रति लगातार उदारता दिखाई है, क्या वह यही पैमाना जेल में बंद जघन्य अपराधों के अन्य दोषियों के प्रति भी लागू करती है. दो डेरा साध्वियों से बलात्कार के मामले के अलावा राम रहीम को हत्या के अन्य मामले में भी दोषी ठहराया जा चुका है. मगर सजा काटने के लिए जेल में जाने से लेकर अब तक उसे पंद्रहवीं बार 'पैरोल' या फिर 'फरलो' पर बाहर आने की सुविधा मुहैया कराई गई है. अब तक वह कुल चार सौ दिन से ज्यादा वक्त तक जेल से बाहर रह चुका है.

जघन्य अपराधों के दोषियों को लेकर कोई सरकार शायद ही कभी इस हद तक उदार होती है. सही है कि पैरोल एक कानूनी व्यवस्था है और इसके तहत कैदी को शर्तों के साथ जेल से कुछ दिनों के लिए रिहा किया जाता है, लेकिन इस कानूनी प्रावधान का बेजा इस्तेमाल न्याय की अवधारणा पर चोट पहुंचाने से अलग नहीं है. सरकार को इस बात से शायद कोई फर्क नहीं पड़ता कि इससे कानूनों की मनमानी व्याख्या और पीड़ितों के प्रति न्याय की अवधारणा को चोट पहुंचाने को लेकर कैसे उदाहरण बन रहे हैं!

राशिफल

■ **मेष**: इस समय आपके अंदर एक अजीब सी बेचैनी चल रही है. ऐसा लग सकता है कि आप बहुत कुछ करना चाहते हैं, लेकिन चीजें अपनी रफ्तार से नहीं चल रहीं. कामकाज में दबाव रहेगा, जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी, पर आप उनसे भागने वाले नहीं हैं.

■ **वृषभ**: आपके लिए यह समय थोड़ा सुकून देने वाला है. जो परेशानियां पिछले कुछ समय से चल रही थीं, अब उनमें धीरे-धीरे सुधार नजर आएगा. काम में स्थिरता आएगी और लोग आपकी मेहनत को समझेंगे. मन थोड़ा हल्का रहेगा और परिवार का साथ अच्छा महसूस होगा.

■ **मिथुन**: आपका दिमाग इस समय बहुत तेज चल रहा है. एक साथ कई बातें सोच रहे हैं, कई योजनाएं बना रहे हैं, लेकिन इसी चक्कर में खुद को उलझा भी सकते हैं. बातचीत आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी, इसलिए मन की बात दबाकर न रखें. काम में नए आइडिया आएंगे, जिनसे फायदा हो सकता है.

■ **कर्क**: इस समय आप भावनात्मक रूप से थोड़ा ज्यादा संवेदनशील रहेंगे. छोटी बातें भी दिल को छू सकती हैं. कामकाज में जिम्मेदारी बढ़ेगी और परिवार से जुड़ी बातें ज्यादा सोचने पर मजबूर करेंगी. पैसों का खर्च घर या अपनों पर हो सकता है, जो आपको बुरा नहीं लगेगा.

■ **सिंह**: आपका आत्मविश्वास धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है. लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे और आपकी मौजूदगी का असर दिखेगा. काम में नेतृत्व करने का मौका मिलेगा, लेकिन अहंकार बीच में न आने दें. पैसों के मामले में नए मौके बन सकते हैं,

■ **कन्या**: आप मेहनत करने वालों में से हैं और इस समय आपकी मेहनत का असर दिखने लगा है. जिम्मेदारियां ज्यादा होंगी, थकान भी रहेगी, लेकिन अंदर से संतोष महसूस होगा. पैसों की स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होगी, हालांकि खर्च भी साथ-साथ चलता रहेगा.

■ **तुला**: आप हर चीज को बहुत बारीकी से देख रहे हैं. यह आपकी ताकत है, लेकिन इसी वजह से आप खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डाल लेते हैं. कामकाज में सब कुछ ठीक रखने की कोशिश आपको थका सकती है. पैसों का हिसाब सही रहेगा, लेकिन मन को थोड़ा ढीला छोड़ना भी जरूरी है.

■ **वृश्चिक**: आपकी सोच सबसे अलग है और यही बात इस समय आपको आगे ले जा सकती है. नए विचार, नए रास्ते और अलग नजरिया लोगों को प्रभावित करेगा. काम में इनोवेशन से फायदा हो सकता है. पैसों में सुधार के संकेत हैं, लेकिन जोखिम सोच-समझकर लें.

■ **धनु**: आप इस समय संतुलन की तलाश में हैं. दिल कुछ और चाहता है और दिमाग कुछ और कहता है. फैसले लेने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है. कामकाज में साझेदारी या दूसरों की राय अहम रहेगी. पैसों में स्थिरता रहेगी, लेकिन बड़े फैसले फिलहाल टालना बेहतर होगा.

■ **मकर**: आप अंदर ही अंदर बहुत कुछ महसूस कर रहे हैं. बाहर से भले शांत दिखें, लेकिन मन में कई सवाल चल रहे हैं. यह समय खुद को समझने और पुराने घावों से बाहर आने का है. काम में बदलाव या नई जिम्मेदारी मिल सकती है.

■ **कुंभ**: आप आगे बढ़ने की सोच में हैं. कुछ नया सीखने, कहीं जाने या अपनी सोच को फैलाने का मन करेगा. काम में नई दिशा मिल सकती है, जिससे उत्साह बढ़ेगा. पैसों का खर्च यात्रा, पढ़ाई या किसी योजना पर हो सकता है.

■ **मीन**: आपका दिल इस समय बहुत कोमल है. आप दूसरों के लिए ज्यादा सोचते हैं, लेकिन खुद की जरूरतें पीछे रह जाती हैं. कामकाज में मन लगेगा, लेकिन ध्यान भटक भी सकता है. पैसों में खर्च बढ़ सकता है.

साम्राज्यवाद का प्रतिरोध आवश्यक

वेनेजुएला में अमेरिकी हमला यही दर्शाता है कि हम महाशक्तियों की घातक प्रतिस्पर्धा और उनके मनमाने हस्तक्षेपों के दौर में जी रहे हैं. ऐसे दौर में जहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों और जंगल के कानूनों में कोई अंतर ही नहीं रह गया है. वेनेजुएला में तख्तापलट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शेखी बघारते हुए कहा, 'हमें इसे फिर से करना होगा, हम फिर से ऐसा कर सकते हैं और कोई हमें रोक नहीं सकता.' यानी जिसकी लाठी उसी की भैंस. ट्रंप का यह औपनिवेशिक दावा कि 'हम वेनेजुएला को चलाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि इसे ठीक से चलाया जाए', स्पष्ट संकेत है कि शक्तिशाली ही शक्तिहीन पर राज करेंगे. ट्रंप ने वेनेजुएला में अवैध रूप से सत्ता परिवर्तन करके वहां के खनिजों को अमेरिकी कंपनियों के एकाधिकार में लाने की खुलेआम घोषणा से सिद्ध कर दिया कि अंतर-राष्ट्रीय कानूनों के जो भी बचे-कुचे बंधन थे, वे भी ध्वस्त होते जा रहे हैं. इससे पहले रूस ने अपने मुकाबले कमजोर पड़ोसी यूक्रेन पर आक्रमण कर उस पर विशेषाधिकारों का दावा किया. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अनुसार बड़ी शक्तियों को अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्र रखने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और यूक्रेन की सच्ची संप्रभुता तभी संभव है जब वह रूस के प्रति मित्रवत और

वेनेजुएला में सशस्त्र हमला कर और उसकी आंतरिक राजनीति को जबरदस्ती बदलकर ट्रंप ने हर संभावित हमलावर को सुविधाजनक बहाना दे दिया है . ट्रंप प्रशासन की नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका पर प्रभुत्व स्थापित करने और एक ऐसे पश्चिमी गोलार्ध का निर्माण करने के लिए उन्नीसवीं सदी के 'मोनरो सिद्धांत' को समकालीन संदर्भ में लागू करेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की सरकारों को अमेरिका के आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार चलना होगा . अगर लैटिन अमेरिका में अमेरिका की धौंस जायज है, तो एशिया में चीन अपने आप को बेताज बादशाह क्यों न मान ले?

पराधीन रहे. इनके उलट चीन ने अभी तक ताइवान पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण करने या भारत, वियतनाम, फिलीपींस अथवा जापान पर सीधे हमले का प्रयास नहीं किया है, परंतु कमजोर पड़ोसियों के प्रति उसका भी औपनिवेशिक और दबंग रवैया है जो दिन-प्रतिदिन और बिगड़ता जा रहा है. जब सभी बलशाली देश आक्रामक और लुटेरे तेवरों पर उतर आएं तो बड़ी मछली का छोटी मछली को निगलना सामान्यीकृत होने लगता है.

वैश्विक राजनीति के बारे में कहा जाता है कि वह सिद्धांतों एवं मानदंडों के आधार पर संचालित होती है, लेकिन हालिया उदाहरण कुछ और ही संकेत करते हैं. वेनेजुएला में अमेरिकी हमले के बाद ताइवान को लेकर समय-समय आक्रामकता दिखाने वाले चीन पर भी अंतरराष्ट्रीय कानून वाले तर्क बेमानी हो जाते हैं. लैटिन भाषा में 'टू कुआकवे' जैसी एक संकल्पना है, जिसके अनुसार प्रतिद्वंद्वी के व्यक्तिगत व्यवहार और कार्यों को उनके तर्क के साथ असंगत बताकर उनके तर्क को अमान्य कर दिया जाता है.

निर्यात को गति देने के लिए 'मार्केट एक्सेस सपोर्ट' काफी नहीं

केंद्र सरकार ने 4,531 करोड़ रुपये की जो बाजार पहुंच सहयोग (मार्केट एक्सेस सपोर्ट) योजना घोषित की है, वह एक स्वागत योग्य कदम है. खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह ऐसे समय पर आई है जब निर्यातकों को धीमी होती वैश्विक मांग के साथ प्रमुख बाजारों मसलन अमेरिका आदि में उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है. खरीदार-विक्रेता मुलाकात, व्यापार मेलों, खरीदार प्रतिनिधिमंडलों का उल्टा दौरा और बाजार विविधीकरण आदि

यह समझ सामने लाते हैं कि कंपनियों की मदद करके हम नए बाजार तलाश सकते हैं, अपनी मौजूदगी प्रदर्शित कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर शुल्क वृद्धि से त्रस्त क्षेत्रों से परे पहुंच बना सकते हैं.

यह योजना सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों यानी एमएसएमई की ओर खासतौर पर झुकाव रखती है. बहरहाल, एक्जिम बैंक की एक रिपोर्ट दिखाती है कि उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत एमएसएमई में से केवल एक फीसदी ही निर्यात कर रहे हैं. विदेश में मौजूद अवसरों के बारे में जानकारी की कमी, खरीदारों के साथ कमजोर रिश्ता, मार्केटिंग की चुनौतियां और ऋण की कमी आदि बाधा बने हुए हैं. इस संदर्भ में, समर्थित आयोजनों में एमएसएमई की न्यूनतम 35 फीसदी अनिवार्य भागीदारी प्रवेश बाधाओं को कम करती है और निर्यात प्रोत्साहन में लंबे समय से चले आ रहे उस असंतुलन को दूर करती है, जिसने बड़े उद्यमों को प्राथमिकता दी है.

'दूषित' शासन के शिकार

आजकल महाराष्ट्र में नगरपालिका चुनाव पूरे जोर-शोर से चल रहे हैं. सत्ताधारी भाजपा रंग-बिरंगे वादों के गुब्बारे आसमान में उड़ा रही है. लेकिन इंदौर और गुजरात के गांधीनगर में हुई भयानक घटनाओं ने इन गुब्बारों की हवा निकालकर रख दी है. इंदौर में दूषित पानी का कहर पिछले छह-सात दिनों से थमने का नाम नहीं ले रहा है. इसी बीच गुजरात के गांधीनगर में भी यह बात सामने आई है कि दूषित पानी के कारण सौ से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए हैं. हालांकि, सौभाग्य से गांधीनगर में किसी की जान नहीं गई है, लेकिन इंदौर में दूषित पानी से मरने वालों की संख्या बढ़कर १७ हो गई है. इन दोनों राज्यों और नगरपालिकाओं में भाजपा ही सत्ता में है. गुजरात तो प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य भी है. भाजपाई और अंधभक्त वर्षों से मोदी के 'गुजरात मॉडल' का ढोल पीटते आ रहे हैं. यही मंडली इंदौर शहर के विकास प्रबंधन का ढोल भी पीटती रहती है.

इराक से पनामा और अब वेनेजुएला

वेनेजुएला पर अमेरिका की कार्रवाई के मुद्दे पर भी भारत ने बातचीत से मसले को सुलझाने और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता कायम रखने पर जोर दिया है. साथ ही तेल समृद्ध वेनेजुएला

में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर भी रखी जा रही है, ताकि आने वाले समय में राष्ट्रहित की रक्षा के लिए उचित कदम उठाए जा सकें. भारत सहित कई देशों ने इस घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है और वेनेजुएला की संप्रभुता एवं वहां के लोगों की सुरक्षा की वकालत की है.

इस बीच, यह सवाल भी उठ रहा है कि किसी राष्ट्र पर हमला कर वहां के प्रमुख और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने की अमेरिका की कार्रवाई क्या अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का उल्लंघन नहीं है? गौरतलब है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद शुक्रवार देर रात राजधानी कारकास पर हमला कर दिया था. इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर न्यूयार्क ले जाया गया. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि मादुरो के खिलाफ न्यूयार्क में मुकदमा चलाया जाएगा. यह कोई पहली बार नहीं है कि अमेरिका ने किसी देश में सत्ता परिवर्तन का प्रयास किया है. वर्ष 1965 में अमेरिका ने डोमिनिकन गणराज्य में बड़ी संख्या में अपने सैनिक भेजे, ताकि 1963 में तख्तापलट के तहत हटाए गए पूर्व राष्ट्रपति जुआन बोश की वापसी को रोका जा सके. वर्ष 1989 में अमेरिकी सैनिकों ने पनामा पर धावा बोला, जिसका मकसद तत्कालीन जनरल मैनुअल नोरिएगा को हटाना था, जिन पर मादुरो की तरह ही मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप थे. वर्ष 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हमला कर सद्दाम हुसैन के लंबे शासन का अंत कर दिया गया. इसी तरह वर्ष 2004 में हैती के तत्कालीन राष्ट्रपति को सत्ता से हटाकर अफ्रीका भेज दिया गया. यह बात सही है कि अगर दुनिया के किसी हिस्से में मानव सुरक्षा का गंभीर संकट हो, तो किसी दूसरे देश के हस्तक्षेप को तभी उचित ठहराया जा सकता है.

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 7 जनवरी 2026

जबलपुर राष्ट्रबाण

• सोहगपुर • ब्योहारी • जयसिंहपुर • जैतपुर

छोटे पिकअप में भर लीं 50 से अधिक सवारी

80 की स्पीड में भेड़ाघाट पर दौड़ता दिखा वाहन, एसपी ने कहा-कार्रवाई होगी ; थाना प्रभारियों को जारी होंगे निर्देश

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

जबलपुर से शहपुरा की ओर जाने वाले मार्ग पर मंगलवार को एक छोटे पिकअप वाहन में 50 से अधिक लोग सवार थे। महिलाएं, बच्चे और पुरुषों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया और वाहन करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रहा था। हैरानी की बात यह रही कि पिकअप शहर से शहपुरा तक कई थानों और ट्रैफिक पुलिस प्वाइंट्स को पार करता रहा, लेकिन किसी की भी नजर इस खतरनाक स्थिति पर नहीं पड़ी।

कोहरे के कारण हो रही दुर्घटनाएं

इन दिनों पूरे प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद लोग नियमों की अनदेखी कर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। कोहरे के बीच तेज रफ्तार से दौड़ता यह पिकअप वाहन हादसे का बड़ा कारण बन सकता था।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने लिया संज्ञान

मामले का वीडियो सामने आने के बाद जबलपुर पुलिस हरकत में आई। एएसपी अंजना तिवारी ने कहा कि एक छोटे वाहन में इतने लोगों को बैठाकर ले जाना गंभीर रूप से गलत और ट्रैफिक नियमों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए सभी थाना प्रभारियों और ट्रैफिक पुलिस को सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

वाहन चालक और मालिक पर होगी कार्रवाई : एएसपी ने स्पष्ट किया कि इस मामले में वाहन चालक और वाहन मालिक, दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि ऐसे खतरनाक तरीकों से लोगों को ढोने वाले वाहनों पर सख्ती जरूरी है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

जनसुनवाई में सीईओ व अपर कलेक्टर ने सुनी दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर कार्यालय स्थित सोन सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति एवं अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने जिले के दूर-दराज अंचलों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत पिपरिया की सरपंच श्रीमती मुन्नी कोल ने ऑगनवाड़ी भवन स्वीकृत कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम खोल्हाड़ निवासी सुरेश रजक ने मार्ग निर्माण में प्रभावित अर्जित भूमि का मुआवजा दिलाने की मांग रखी। वहीं बुढार निवासी बी.पी. तिवारी ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित देवरी में पदस्थ प्रबंधक द्वारा धान खरीदी में की जा रही कथित अनियमितताओं की जांच कर कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया। इसके अलावा ग्राम खन्नौधी निवासी सुक्खू कुशवाहा ने शासकीय सीनियर बालक छात्रावास खन्नौधी में रसोइया का कार्य दिलाने संबंधी आवेदन दिया। ग्राम पंचायत ढोलकू निवासी कतहुरा बैगा ने हायर सेकेंडरी स्कूल बलबहरा में अवैध रूप से किए जा रहे बाउंड्रीवाल निर्माण को रोकने हेतु कार्रवाई की मांग की। सीईओ ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही अन्य आवेदनों पर भी अपर कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती एंटोनिया एक्का, गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगरपालिका ने जरूरतमंदों को बांटे गर्म कपड़े

अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शीत ऋतु के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए नगरपालिका परिषद शहडोल द्वारा जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में जिले के समस्त नगरीय निकायों में ठंड से बचाव हेतु अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला ने जानकारी देते हुए बताया कि नगरपालिका के मैदानी अमले द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, फुटपाथ सहित नगर के प्रमुख स्थानों का भ्रमण कर निराश्रित व्यक्तियों को रैन बसेरों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें गर्म कपड़े, कंबल वितरित किए जा रहे हैं तथा विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। नगरपालिका द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण असुरक्षित स्थिति में न रहे। जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नगर के आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी कोई निराश्रित व्यक्ति ठंड से प्रभावित अवस्था में दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल नगर पालिका टीम को दें, ताकि उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई

दूर-दराज से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नर कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान संभाग के दूर-दराज क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम कोटमा निवासी दीपक तिवारी ने निजी भूमि से शेड हटवाने, ग्राम बुढ़वा निवासी संजय सोनी ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय बुढ़वा में अतिथि शिक्षक के रूप में पदस्थ किए जाने, शहडोल निवासी श्रीमती सुमन विश्वकर्मा ने राशन कार्ड में नाम जुड़वाने का आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह ग्राम मैकी निवासी रामबिहारी बैगा ने विद्युतीकरण कार्य कराने, ग्राम बिजहा निवासी बीरन कोल ने भूमि का आवासीय पट्टा दिलाने, कृष्णा कॉलोनी निवासी श्रीमती शंखी बाई वर्मा ने वृद्धा पेंशन योजना का लाभ दिलाने तथा अनूपपुर जिले के ग्राम पटनाकला निवासी श्रीमती राजकुमारी विश्वकर्मा ने स्वत्वों के भुगतान संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए।कमिश्नर ने प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य आवेदकों ने भी अपनी समस्याएं एवं शिकायतें जनसुनवाई में प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक सवार लुटेरे धर दबोचे गए, दो वारदातों में लूटे 42 हजार रुपये

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाइक सवार तीन बदमाशों ने हाल ही में दो अलग-अलग लूट की वारदातों को अंजाम देकर इलाके में सनसनी फैला दी। पहली वारदात के बाद भी बदमाश रुके नहीं और करीब पांच किलोमीटर दूर जाकर दूसरी लूट को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार पहली वारदात शहडोलङ्करीवा रोड पर हुई। कोरियर वाय अंकित गौतम पार्सल बांटकर अपने घर लौट रहे थे, तभी बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। धमकियां देकर बदमाशों ने उनके पास से 1500 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन लूट लिए। पीड़ित डरा-सहमा हुआ थाने पहुंचा और घटना की जानकारी दी। लगभग एक घंटे बाद बदमाशों ने जनकपुर मार्ग पर सरजन सिंह को बीच सड़क पर रोका। नकद रकम न मिलने पर आरोपियों ने पीड़ित से फोन-पे के माध्यम से 41,000 रुपये से अधिक की रकम अपने खाते में ट्रांसफर करा ली। दोनों पीड़ितों ने पुलिस को आरोपी बाइक हुलिया और घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की और फोन-पे ट्रांजैक्शन की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई। मंगलवार को पुलिस ने तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

शीत ऋतु में बुजुर्गों व नवजात शिशुओं का रखें विशेष ध्यान : सीएमएचओ

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शीत ऋतु के दौरान बढ़ती ठंड और शीत लहर को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस मौसम में फ्लू, खांसी, सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है इसलिए स्वास्थ्य संबंधी सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। सीएमएचओ ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े जैसे टोपी, दस्ताने, मफलर, मोजे और जूते अवश्य पहनें। शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए अंदर सूती तथा बाहर ऊनी कपड़े पहनना लाभदायक होता है। अत्यधिक चुस्त कपड़े पहनने से बचें क्योंकि इससे रक्त संचार प्रभावित हो सकता है। उन्होंने अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पौष्टिक भोजन, विटामिन-सी से भरपूर फल एवं सब्जियों का सेवन नियमित रूप से करें तथा शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म पेय पदार्थों का उपयोग करें। बुजुर्गों, नवजात शिशुओं एवं छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। रूम हीटर का उपयोग करते समय कमरे में उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखें। उन्होंने यह भी कहा कि शीत ऋतु में स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर चिकित्सकीय सलाह लें और झाड़-फूंक या किसी भी प्रकार के अनावश्यक बहकावे में न आएं। सीएमएचओ ने विशेष रूप से 65 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों, दीर्घकालिक हृदय अथवा श्वसन रोग से पीड़ित व्यक्तियों, बेघर लोगों, निर्माण स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में कार्य करने वाले श्रमिकों, सड़क पर रहने वाले लोगों तथा खुले स्थानों पर व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारियों से शीत लहर के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है।

मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से स्वास्थ्य विषय पर विशेष शिविर का आयोजन

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम हर्री एवं जनजातीय बालक आश्रम परिसर धुरवार में मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से स्वास्थ्य विषय पर आधारित विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों के लिए मॉर्निंग कॉल, योग एवं व्यायाम सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ ही प्रेरक कहानियों एवं गीतों की प्रस्तुति के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। शिविर को संबोधित करते हुए विषय विशेषज्ञ प्रो. विशाल चौबे ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में एंजाइटी एवं डिप्रेशन की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि इन समस्याओं से निपटने के लिए सकारात्मक सोच, आपसी संवाद तथा स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली शर्त है। इस अवसर पर डॉ. पी. डी. रावत अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा एनएसएस इकाई के वरिष्ठ स्वयंसेवक विपिन सेन, सुश्री रुक्मणि केवट, अभय प्रताप सिंह सहित अन्य प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नर्सिंग कॉलेज भर्ती- पुरुषों की उम्मीदवारी पर अंतिम निर्णय कल-

जबलपुर| संवाददाता
rashtrabaan.in

सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और ट्यूटर के कुल 286 पदों पर महिला उम्मीदवारों को दिए जा रहे 100 प्रतिशत आरक्षण को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में कोर्ट को बताया गया कि भर्ती प्रक्रिया में पुरुष उम्मीदवारों को शामिल नहीं किया गया है और सभी पदों पर केवल महिला उम्मीदवारों को ही आरक्षण दिया गया है। मामले पर 29 दिसंबर को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब-तलब करते हुए निर्देश दिए थे। मंगलवार को हाईकोर्ट की प्रिंसिपल बेंच में मामले पर दोबारा सुनवाई हुई। इस दौरान सरकार की ओर से मौखिक रूप से बताया गया कि अब भर्ती प्रक्रिया में पुरुष उम्मीदवारों को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

कोर्ट को बताया पुरुषों को शामिल करेंगे

6 जनवरी को ही सुनवाई में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की ओर से अधिवक्ता राहुल दिवाकर ने मौखिक रूप से कोर्ट को अवगत कराया है कि भर्ती प्रक्रिया में अब पुरुष उम्मीदवारों को शामिल करने का निर्णय लिया है, किंतु लिखित निर्देश की प्रति अभी तक अप्राप्त है। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल ने कोर्ट को बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 7 जनवरी है। इस तिथि के बाद पुरुष उम्मीदवार आवेदन नहीं कर सकेंगे। सुनवाई के बाद कोर्ट ने शासन के निर्णय को लिखित में रिकार्ड में प्रस्तुत करने हेतु एक दिन का समय देते हुए प्रकरण को 7 जनवरी को टॉप आफ दा लिस्ट सूचीबद्ध करने के आदेश दिए हैं।

एसईसीएल की ओपन कास्ट खदान में डोजर के अंदर फंसे चालक का शव बरामद, मौके पर प्रशासन और पुलिस बल की तैनाती

धनपुरी खदान हादसा में 3 माह बाद मिला डूबे चालक का कंकाल

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के धनपुरी क्षेत्र में एसईसीएल की ओपन कास्ट खदान में 11 अक्टूबर को हुए हादसे के बाद एक बार फिर से प्रशासन और खदान प्रबंधन की सक्रियता बढ़ गई है। उस दिन मिट्टी फिलिंग के दौरान एक डम्पर ट्रक खदान में डूब गया था। हादसे के तुरंत बाद एनडीआरएफ और एसडीईआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया था, लेकिन बंद खदान की गहराई लगभग 100 फीट से अधिक और अत्यधिक पानी भरे होने के कारण तत्काल कोई सफलता नहीं मिल पाई थी। पिछले सप्ताहों से लगातार खदान से पानी निकालने और मिट्टी की फिलिंग का कार्य जारी था। इसी क्रम में मंगलवार को एसईसीएल प्रबंधन ने सूचना दी कि पानी का स्तर काफी कम होने के बाद डम्पर ट्रक दिखाई देने लगा है। सूचना मिलते ही कलेक्टर के निर्देश पर एसडीईआरएफ टीम प्रभारी कोलम सिंह के नेतृत्व में घटनास्थल पर रवाना हुई। टीम में 6 एसडीईआरएफ जवान और 1 होमगार्ड शामिल थे। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान डोजर के अंदर से डम्पर ट्रक में फंसा शव बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि शव कई दिनों तक खदान में फंसा रहने के कारण कंकाल में बदल चुका था। मृतक डम्पर ऑपरेटर अनिल कुशवाहा रीवा जिले के रहने वाला था। घटना के समय प्रशासन और एसईसीएल द्वारा लगातार बचाव प्रयास किए गए, लेकिन न तो डम्पर का पता चल सका और न ही ऑपरेटर का कोई सुराग मिला। अब जब पानी निकला और डम्पर दिखाई दिया, तब रेस्क्यू किया गया और अनिल कुशवाहा के शव को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। रेस्क्यू दल ने एसईसीएल प्रबंधन के सहयोग से डम्पर को बाहर निकालने का कार्य भी शुरू किया। हादसे के बाद ऑपरेटर के परिजनों को मृत्यु मानकर पहले ही सहायता राशि दे दी गई थी। एसईसीएल और प्रशासन ने कहा है कि सुरक्षा मानकों को और सख्त किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 7 जनवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

हिन्दू सम्मेलन से पहले शहर में धर्मजागरण की लहर

वाहन रैली और प्रभात फेरियों से बना जनजागरण का माहौल

जगह-जगह हो रही भारत माता की आरती

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

सकल सनातन हिन्दू समाज बैतूल द्वारा 11 जनवरी रविवार को जेएच कॉलेज के अटल सभागृह में आयोजित होने वाले हिन्दू सम्मेलन को लेकर शहर में लगातार धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई जा रही है। गायत्री बस्ती, गंज एवं सिविल लाइन क्षेत्र में चौक-चौराहों और मोहल्लों में भारत माता की आरती, कलश यात्राएं, प्रभात फेरियां और वाहन रैलियों के माध्यम से लोगों को सम्मेलन के लिए एकजुट किया जा रहा है।

- शहर में चल रहा जनसंपर्क अभियान

हिन्दू सम्मेलन के मीडिया प्रभारी राजेश मदान ने बताया कि क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में एकत्र होकर भारत माता की भव्य आरतियां कर रहे हैं। सुबह प्रभात फेरियां और वाहन रैलियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही घर-घर पीले चावल और आमंत्रण पत्र पहुंचाकर सम्मेलन में शामिल होने का आग्रह किया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं की रही सक्रिय सहभागिता

भगतसिंह चौक पर आयोजित आरती में गायत्री बस्ती के हिन्दू सम्मेलन संरक्षक मुकेश खंडेलवाल और प्रवीण गुगनानी, सम्मेलन प्रभारी गंगाधर कवड़कर, संयोजक पंकज मिश्रा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र माहेश्वरी, मीडिया प्रभारी राजेश मदान, कमलेश अमरुते, निक्की प्रधान, राजू मालवीय, कुशकुंज अरोरा, पम्मा बिहारे, नितिन शर्मा, चंदर भाटिया, पिंकी भाटिया, अनिल गार्गव, शैलेन्द्र रघुवंशी, बलराम मालवीय, आंजनेय ठाकुर, प्रमोद पाटने, सीमा सोनी, रुचि मिश्रा, सारिका मिश्रा, ममता ढाहके, श्रीमती संजय सिंह ठाकुर, श्रीमती हेमासिंह चौहान, अतुल देशपांडे, सुजय पौनीकर, सुनील पवार, संतोष पवार, गणेश पवार, विजय पवार, ज्ञानेश्वर झरबडे, ललित पवार, हरिओम बडघरे, विजय बंटी मिश्रा, भोला विश्वकर्मा, पुनीत राठौर, सुनील रायपुरे, रवि वर्मा, नवनीत बौरासी, राजेंद्र सनस, दीपक आवठे, बबलू मालवी, शशिकांत डहाके, बंटी वर्मा, राकेश प्रजापति, शिवदास ठेपे, आनंद राठौर सहित सैकड़ों की संख्या में सक्रिय हिन्दू बंधु और भगिनी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सम्मेलन प्रभारी गंगाधर कवड़कर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन संयोजक पंकज मिश्रा द्वारा किया गया।

भगतसिंह चौक पर गूंजे जयकारे

इसी क्रम में सोमवार रात्रि 8 बजे गंज क्षेत्र के माता मंदिर के पास स्थित भगतसिंह चौक पर भारत माता की भव्य आरती का आयोजन किया गया। ढोल-ढमाकों के साथ जय श्रीराम और भारत माता की जय के उद्घोष के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती में सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत में सम्मेलन प्रभारी गंगाधर कवड़कर ने हिन्दू सम्मेलन के उद्देश्य और आयोजन की विस्तृत जानकारी उपस्थित जनसमूह को दी, इसके बाद सामूहिक आरती संपन्न हुई।

आगामी कार्यक्रमों की जानकारी

मीडिया प्रभारी राजेश मदान ने बताया कि आज बुधवार रात्रि 8 बजे गंज स्थित सब्जी बाजार के पास नंदी चौक में भारत माता की भव्य आरती आयोजित की जाएगी। वहीं गुरुवार को सायं 4 बजे गायत्री मंदिर सिविल लाइन से विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः गायत्री मंदिर पहुंचेगी।

पद्मश्री लहरी बाई होंगी खास मेहमान

बैतूल में 11 जनवरी से लगेगा तीन दिवसीय मिलेट्स मेला

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मोटे अनाज (मिलेट्स) को प्रोत्साहन देने और स्थानीय महिला उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर में भव्य श्री अन्न को मिलेट्स मेला-2026 का आयोजन होने जा रहा है। प्रत्याशा फाउंडेशन और तासी दर्शन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विभाग बैतूल द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय मेला 11, 12 और 13 जनवरी को शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में सजेगा। मेले का समय प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस संबंध में एक बैठक का आयोजन बालमंदिर में किया गया। यहां मुख्य रूप से आयोजन समिति की प्रमुख सदस्य प्रत्याशा फाऊंडेशन से तूलिका पचौरी, निमिषा शुक्ला, आशीष पचौरी ,प्रमिला धोत्रे,ममता कूबड़े के अलावा तासी दर्शन ट्रस्ट की ओर से सुनील व्दिवेदी, संजय शुक्ला पप्पी मौजूद थे।

पद्मश्री लहरी बाई और केंद्रीय मंत्री करेंगे शिरकत

मेले में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री दुर्गादास उइके करेंगे। आयोजन का विशेष आकर्षण मिलेट्स की ब्रांड एंबेसडर और पद्मश्री से सम्मानित लहरी बाई (डिंडौरी) की उपस्थिति रहेगी। इनके साथ ही विधायक गंगाबाई उइके, योगेश पंडाग्रे और जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

- सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी

अनाजों की प्रदर्शनी के साथ-साथ मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का तड़का भी लगेगा। पारंपरिक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, गायन और बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जो दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

- मोटे अनाजों के स्वादों से सजेगा बाजार

आयोजन समिति ने बताया कि पिछले वर्ष की शानदार सफलता के बाद इस वर्ष मेले को और अधिक भव्य स्वरूप दिया गया है। मेले में ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी और कांगनी से बने विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, अचार, पापड़ और जैविक अनाज भी बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे।

- इन विभागों का रहेगा सहयोग

इस वृहद आयोजन में नगर पालिका बैतूल, महिला एवं बाल विकास, कृषि और खाद्य विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजकों ने जिले के किसानों और आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्री अन्न के महत्व को समझने और मेले का आनंद लेने की अपील की है।

समिति के अन्य सदस्यों में तरूणा व्दिवेदी, रुक्मणी सोनारे, संगीता राठौर, दीपिका भावसार, प्रेरणा शर्मा, श्रद्धा शुक्ला, नीता बराठे, वर्षा उमप, महेश गुंजेले, धीरज हिरानी, विजय हारोदे, मनोज तिवारी, आशीष यादव, पिंकी भाटिया, शैलेंद्र बिहारिया दीप मालवी, कुशकुंज अरोड़ा, प्रकाश बंजारे, आशीष कोकने, हिमांशु सोनी आदि मौजूद थे।

सम्मान पाकर अभिभूत हुए पेंशनर्स

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का गरिमामय आयोजन

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन बैतूल द्वारा 05 जनवरी को माह दिसंबर में सेवानिवृत्त हुए पेंशनर्स का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा निवृत्त प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने की। मंच पर सेवा निवृत्त सहायक संचालक शिक्षा विभाग सुबोध शर्मा, सेवा निवृत्त प्राचार्य सुरेश कुमार दुबे, संयोजक भाजपा प्रबुद्ध जन प्रकोष्ठ नरेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन सुन्दर लाल कड़वे, वरिष्ठ संरक्षक मंडल बी.आर. धोटे, सी.आर. पाटिल, व्ही.एन. पाल, के.एल. बड़ोदे तथा संभागीय अध्यक्ष अशोक बोरखड़े उपस्थित रहे।

प्रबुद्ध मंच द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन, पूजन-अर्चन, सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत उद्बोधन सुन्दर लाल कड़वे ने दिया। अशोक बोरखड़े ने एसोसिएशन की पृष्ठभूमि से अवगत कराया। बंशीलाल मासोदकर एवं सुश्री मीरा शेषकर ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन, महिला शिक्षा एवं सामाजिक समरसता में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने एसोसिएशन को पेंशनर्स के लिए च्यवनप्राश बताते हुए निःशुल्क चिकित्सा शिविर, आयुर्वेदिक तेल वितरण तथा ग्राम पंचायत बोड़ी बघवाड़ में वस्त्र वितरण जैसे सेवा कार्यों की जानकारी दी। समारोह में सुबोध कुमार शर्मा, राजेन्द्र कुमार दुबे, राजेन्द्र कुमार जोशी, सुरेश कुमार राठौर, चंद्रभान डिगरसे, साधना उदयपुरे, अशोक कुमार राने तथा नारायण राव देशमुख का तिलक, शाल-श्रीफल, स्वागत पट्टिका एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया। सम्बोधन में रोशन लाल मौखेड़े, बी.आर. धोटे एवं रमेश कुमार वर्मा ने विचार रखे।

नपा सीएमओ रोजाना कर रहे मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई, 13 जनवरी तक रोजाना चलेगी सुनवाई

दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं को करा सकते हैं मैप

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

नपा सीएमओ सीके मेश्राम मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नो मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई कर रहे है.नगर पालिका परिषद कार्यालय में अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष की गई। यह सुनवाई आगामी 13 जनवरी तक चलेगी।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देशन, निर्वाचक एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आमला विधानसभा 130 शैलेंद्र बडोनिया के मार्गदर्शन में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में सर्वे उपरांत मतदाताओं की मैपिंग की गई थी। दस्तावेजों के अभाव में कई मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी। ऐसे नो मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई हेतु नगर पालिका कार्यालय में विशेष व्यवस्था की गई। अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीके मेश्राम ने सोमवार 5 जनवरी 2026 को नो मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई की। तय कार्यक्रम अनुसार आगामी 13 जनवरी तक प्रतिदिन 50 नो मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई किया जाना है। इस दौरान निर्वाचन सुपरवाईजर नरेंद्र सूर्यवंशी, आरके मरकाम,आरएस सतवंशी, सद्दम अंसारी, प्रवीण आम्रवंशी उपस्थित रहे।अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सी.के. मेश्राम ने बताया ऐसे मतदाता जो नो मैपिंग की श्रेणी में आते हैं वे निर्धारित तिथि में कार्यालय नगर पालिका परिषद सारनी में उपस्थित होकर निम्नानुसार श्रेणियों के आधार पर दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके तहत मतदाता का जन्म 1 जुलाई 1987 के पहले भारत में हुआ हो तो उन्हें जन्म तिथि, स्थान को प्रमाणित करने वाला कोई भी दस्तावेज देना होगा। यदि मतदाता का जन्म 1 जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच भारत में हुआ हो तो उन्हें जन्म तिथि, स्थान को प्रमाणित करने वाला कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। साथ ही पिता या माता के लिए जन्म तिथि और स्थान का दस्जावेत भी साथ में प्रस्तुत करना होगा। यदि मतदाता का जन्म 2 दिसंबर 2004 के बाद भारत में हुआ है तो जन्म तिथि, स्थान, पिता एवं माता के जन्म तिथि स्थान का दस्जावेज प्रस्तुत करना होगा। यदि माता-पिता भारतीय नहीं है तो अपने जन्म के समय उनके वैध पासपोर्ट, वीजा की एक प्रति देना होगा। मतदाता का जन्म भारत के बाहर हुआ है तो उन्हें विदेश स्थित भारतीय मिशन द्वारा जारी जन्म पंजीकरण प्रमाण पत्र देना होगा। यदि पंजीकरण नागरिकीकरण द्वारा भातीय नागरिकता प्राप्त की है तो उन्हें नागरिकता का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

इन दस्तावेज के साथ उपस्थित होना अनिवार्य

किसी केंद्रीय, राज्य सरकार, पीएसयू के नियमित कर्मचारी, पेंशनभोगी को जारी कोई पहचानपत्र, अथवा पेंशन संदाय आदेश। भारत में 01 जुलाई 1987 से पूर्व सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों, बैंकों, डाकघर, एलआईसी, पीएसयू द्वारा जारी कोई पहचान पत्र, प्रमाण पत्र, दस्जावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड, विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रिक, शैक्षिक प्रमाण पत्र, सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अ.पि.व/अनु. जाति./अनु. जन जाति या अन्य कोई जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, राज्य / स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया।

अजाक्स के आव्हान पर पूरे प्रदेश में काली पट्टी बांधकर किया शांतिपूर्ण विरोध

आईएएस संतोष वर्मा के समर्थन में उतरे अधिकारी-कर्मचारी, बैतूल में भी काली पट्टी बांधकर दर्ज कराया विरोध

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश अजाक्स एवं समस्त पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समाज के संगठनों के आव्हान पर मंगलवार को संपूर्ण मध्यप्रदेश में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराया। यह विरोध अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष वर्मा (आईएएस) के समर्थन में किया गया।

ज्ञात हो कि विगत दिनों संतोष वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा था कि जो लोग अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यकों के आरक्षण को समाप्त करने की बात करते हैं, उनसे कहना चाहता हूं कि जातियां खत्म कर दो, हम आरक्षण खत्म कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि वे आईएएस हैं, तो क्या उनके परिवार से रोटी-बेटी का संबंध वर्ग विशेष बना लेगा। जब तक समाज में रोटी-बेटी के संबंध नहीं बनते, भेदभाव समाप्त नहीं होता और सामाजिक समरसता स्थापित नहीं होती, तब तक आरक्षण लागू रहना चाहिए।

उनके इस बयान को गलत रूप में प्रस्तुत कर एक वर्ग विशेष द्वारा विरोध किया गया था। इसी के विरोध में अजाक्स नर्मदापुरम संभाग के संभागीय अध्यक्ष अनिल कापसे के नेतृत्व में बैतूल में भी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध जताया और संतोष वर्मा (आईएएस) के समर्थन में अपनी आस्था प्रकट की।

कांग्रेस मे मुस्लिम समाज के नेताओं को दी जायेगी तवज्जों- विधायक सुनील उईके

सारणी| संवाददाता
rashtrabaan.in

कांग्रेस पार्टी मे मुस्लिम समाज के नेताओं को तवज्जो दी जायेगी. उपरोक्त उदगार जिला कांग्रेस प्रभारी एवं जून्नारदेव विधायक सुनील उईके ने व्यक्त किए है. श्री उईके ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी धर्मो को साथ लेकर चलती है.कांग्रेस कमेटी प्रदेश, जिले एवं ब्लॉक स्तर तक सभी जाति धर्म के लोगो पदाधिकारी बनाये है. बैतूल जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से चर्चा कर मुस्लिम समाज के नेताओं को जिले एवं ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारी बनाये की सिफारिश करेंगे. बैतूल जिले मे 12 ब्लॉक अध्यक्ष के पद है और अधिकांश जगहों पर ब्लाक अध्यक्ष नियुक्ति हो चुकी है जिन ब्लाक मे अध्यक्ष की घोषणा नहीं हुई है. उन ब्लाक मे मुस्लिम समाज के दावेदार नेताओं एक से दो ब्लॉक अध्यक्ष बनाये जाने की बात रखी जायेगी. कांग्रेस पार्टी मे कोई भेदभाव नहीं है.कांग्रेस पार्टी के पदों पर सभी समाज के सक्रिय कांग्रेस नेताओं को योग्यता के आधार पर प्रतिनिधित्व दिया जायेगा.श्री उईके ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है.कांग्रेस पार्टी से नाराज मुस्लिम नेताओं से चर्चा कर मामले का निराकरण किया जायेगा.आगामी चुनाव मे कांग्रेस पार्टी सभी समाज से तालमेल करके चुनाव लड़ेगी.बैतूल जिले की कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति मे मुस्लिम समाज के नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया जायेगा.हालांकि जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा पहले ही कह चुके है कि एक ब्लॉक अध्यक्ष का पद मुस्लिम समाज को दिया जायेगा.

सहस्त्रबाहु मार्ग बना डेंजर जोन, एनएसयूआई ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर मांगी सड़क सुरक्षा

चिचोली में हर रोज मंडरा रहा मौत का खतरा

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

चिचोली नगर का सहस्त्रबाहु मार्ग अब लोगों के लिए सुविधा नहीं बल्कि डर और असुरक्षा का कारण बनता जा रहा है। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं, मासूम बच्चों और राहगीरों की जान पर बने खतरे को देखते हुए एनएसयूआई प्रदेश सचिव हर्ष भुसारी ने तहसीलदार चिचोली को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सड़क सुरक्षा इंतजाम की मांग की है, साथ ही दो दिनों में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी देकर प्रशासन का ध्यान इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे की ओर आकर्षित किया है।

ज्ञापन में बताया गया कि आईसीआईसीआई बैंक, बैतूल रोड से जय स्तंभ चौक होते हुए हनुमान मंदिर, हरदा रोड तक का मार्ग वर्तमान में अत्यंत दुर्घटनाप्रवण हो चुका है। दिनांक 04/01/2026 को हरदा रोड स्थित वेयरहाउस के सामने हुई सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उसी दिन रविवार को शिवलक्खा मैरिज गार्डन के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इससे पहले भी इस मार्ग पर कई गंभीर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

विद्यालय और बाजार क्षेत्र होने से खतरा ज्यादा

हर्ष भुसारी ने कहा कि यह मार्ग इसलिए भी अत्यंत संवेदनशील है क्योंकि बैतूल रोड पर उत्कृष्ट विद्यालय एवं बालिका विद्यालय स्थित हैं, हरदा रोड पर महार्षि दयानंद इंग्लिश स्कूल संचालित है और जय स्तंभ चौक मुख्य चौराहा व बाजार क्षेत्र है। इसके बावजूद स्पीड ब्रेकरों की कमी, विद्यालय चेतावनी संकेतकों का अभाव और तेज गति से चलने वाले वाहनों पर नियंत्रण नहीं होने से हादसे बढ़ रहे हैं।

सड़क सुरक्षा के लिए उठाई गई ठोस मांगें

ज्ञापन में मांग की गई कि आईसीआईसीआई बैंक से जय स्तंभ चौक होते हुए हनुमान मंदिर तक विशेषकर विद्यालय क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं, स्कूल जोन संकेतक और गति सीमा बोर्ड लगाए जाएं, जय स्तंभ चौक को दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित कर विशेष सुरक्षा उपाय किए जाएं। साथ ही बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू कर नई लाइटें लगाई जाएं और तेज रफ्तार वाहनों पर नियमित निगरानी व चालानी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनहित और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 7 जनवरी 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

61 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 06 जनवरी को कलेक्टे ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टे टर श्री मृणाल मीना की अध्ं यक्षता में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टे टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्े त कलेक्टे टर श्री राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्े याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 61 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में लांजी तहसील की मानसी पटले नियमानुसार अतिथि शिक्षक के पद पर नियुक्ति दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मानसी पटले का कहना था कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी मेरिट सूची में उसका चयन अतिथि शिक्षिका (प्री-प्राइमरी) पद के लिए क्रमांक 01 पर हुआ था। किंतु चयन के बावजूद विद्यालय प्राचार्य द्वारा प्रशासनिक स्तर पर हुई त्रुटि के कारण उन्हें प्री-प्राइमरी के स्थान पर प्राइमरी कक्षाओं में जॉइन करा दिया गया। मानसी ने बताया कि वह बीते चार माह से निरंतर पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से प्राथमिक शाला सुलसुली में शिक्षण कार्य कर रहीं है, किंतु अब विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा उनसे विद्यालय आने के लिए मना किया जा रहा है, साथ ही अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। किरनापुर तहसील के ग्राम बेनेगांव की निवासी सलिता गुरबेले लाड़ली बहना योजना से उसका नाम काटने संबंधी शिकायत लेकर आयी थी। सलिता का कहना था कि 25 अप्रैल 2025 से उसे लाड़ली बहना योजना की राशि मिलना बंद हो गई है। सलिता ने बताया कि इस संबंध में उसने सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराई गई थी किंतु उसमें बताया जा रहा है कि आपके द्वारा स्वयं योजना का त्याग किया गया है, जबकि योजना का त्याग करने संबंधी कोई कार्यवाही सलिता द्वारा नही की गई है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत पदमपुर के मेखराम ठकरेले अपनी माता का राशन कार्ड से नाम काट देने संबंधी शिकायत लेकर आये थे। मेखराम ने बताया कि उसकी माता जीवित हैं, इसके बावजूद पंचायत द्वारा उनका नाम राशन कार्ड से हटा दिया गया है। शिकायत में यह भी बताया गया कि पंचायत क्षेत्र में समान नाम की एक अन्य महिला की मृत्यु होने के बावजूद उसका नाम योजनाओं में दर्ज है और लाभ उसके परिवार को मिल रहा है। पीड़ित परिवार ने कलाबाई ठकरेले का नाम पुनः राशन कार्ड में जोड़ने, पेंशन चालू कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस प्रकरण में उप संचालक सामाजिक न्याय को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम मनेरी के ग्रामीण सिंचाई संबंधी समस्या लेकर आये थे। ग्रामीणों ने रबी फसल की सिंचाई के लिए नहर से पर्याप्त पानी दिलाने की मांग की। इस प्रकरण में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। जनसुनवाई में ग्राम खामघाट की निवासी तामेश्वरी बिसेन अपने पति की दुर्घटना में मृत्यु होने पर शासन से मिलने वाली सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थीं। तामेश्वरी का कहना था की उसका दूसरा विवाह अशोक बिसेन से हुआ था और तब से लेकर वह अशोक बिसेन के साथ दाम्पत्य जीवन का निर्वहन कर रही है। 03 सितम्बर 2025 कों उसके पति की कुएँ में गैस रिसाव होने के कारण मृत्यु हो गयी है। तामेश्वरी ने बताया कि पति के मृत्यु प्रमाण पत्र पर उसके नाम के स्थान पर पहली पत्नि रीता बिसेन का नाम दर्ज किया गया है। उसके पति नें उसके नाम से कृषि यन्त्र, ट्रैक्टर, पिकअप, मोटर साइकिल के लिए ऋण लिया था जिसकी वसूली के लिए बैंक व फाइनेंस कंपनी तामेश्े वरी को परेशानी कर रही है जबकि पति की मृत्यु के पश्े चात मिलने वाली सहायता राशि तामेश्े वरी के पति की पहली पत्े नी को मिल रही है। कलेक्टर नें एसडीएम वारासिवनी कों तामेश्े वरी के प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर ने समक्ष में की सुनवाई

नगर पालिका बालाघाट के सीएमओ एवं उपयंत्रियों का 02 दिन का वेतन काटने के निर्देश

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों का रेण्डमली चयन कर संबंधित विभाग के अधिकारी एवं शिकायतकर्ता का समक्ष में बुलवाकर शिकायत को सुना जाता है और उस पर आवश्े यक कार्यवाही के निर्देश दिये जाते है। शिकायत के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित पर कार्यवाही के निर्देश भी दिये जाते है। इसी कड़ी में 06 जनवरी को कलेक्टर द्वारा 18 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की गई है।

कलेक्टर श्री मीना ने ग्राम किरनापुर के शिकायतकर्ता कोमलदास मेश्राम द्वारा की गई बटांकन नही किये जाने संबंधी शिकायत के निराकरण के संबंध में पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि इस शिकायत में नक्े शा बटांकन के संबंध में आदेश पारित किया जा चुका है। इसी प्रकार किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम खपराझरी के शिकायतकर्ता सतीष परते द्वारा अपनी भूमि पर किये गए अतिक्रमण संबंधी शिकायत को सुना गया, जिस पर पटवारी द्वारा बताया गया कि सतीष द्वारा जिस भूमि पर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत की गई है उस पर उसका नाम दर्ज नही है और उसे इस संबंध में बता दिया गया है। शिकायतकर्ता सतीष अब संतुष्ट है और उसने अपनी शिकायत वापस ले ली है।

कलेक्टर द्वारा समक्ष में की गई सुनवाई के दौरान वारासिवनी तहसील के ग्राम वारा निवासी रामप्यारे आसरे की अतिक्रमण संबंधी शिकायत को संतुष्टि पूर्वक बंद कराया गया। कटंगी तहसील के अंतर्गत अर्जुननाला निवासी अभिषेक गुप्े ता द्वारा शिकायत की गई थी कि इंदुबाई द्वारा उसके घर के सामने स्थिे त शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है और उस पर झोपड़ी बनाकर रहती है। जबकि उसके बच्े चें एवं परिजन सम्े पन्े न है और शासकीय सेवा में है। इस प्रकरण में हाईकोर्ट द्वारा भी कहा गया है कि यदि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है तो उसे हटाया जा सकता है। इस प्रकरण में कलेक्े टर श्री मीना ने कटंगी तहसीलदार को शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये है। इस पर शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत वापस ली गई है। सीएम हेल्े पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई के दौरान खैरलांजी तहसील के ग्राम सावरी के उमाशंकर लिल्े हारे, वारासिवनी के डिलेश गौतम, परसवाड़ा तहसील के ग्राम समनापुर की चंपाबाई की शिकायतों का समाधान होने पर उन्े हें बंद कराया गया है। नगरीय क्षेत्र बालाघाट की सीएम हेल्े पलाईन की लंबित शिकायतों की सुनवाई के दौरान पाया गया कि मुख्े य नगर पालिका अधिकारी श्री बीडी कतरोलिया, उपयंत्री जे योति एवं प्रीति द्वारा जल प्रदाय एवं अतिक्रमण संबंधी शिकायतों का उचित निराकरण दर्ज नही किया जा रहा है और भौतिक रूप से भी उन पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है। जिस पर कलेक्े टर श्री मीना ने इन तीनों अधिकारियों का 02 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये है। इस दौरान शिकायतकर्ता प्रशांत चौरसिया, आदर्श नेवारे, मोहित नागेश्े वर की जल प्रदाय संबंधी शिकायतों, अनिल शर्मा की अतिक्रमण हटाने संबंधी एवं निलाजी चौहान की नालियों के पानी की निकासी के यवस्े था संबंधी शिकायतों का बंद कराया गया। इसके साथ ही नगर पालिका के अधिकारियों को सख्े त निर्देश दिये गए कि अवैध नल कनेक्े शन काटे जाए और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण संबंधी शिकायतों पर तत्े काल कार्यवाही की जाए। वार्ड नं. 32 नर्मदा नगर के आदित्े य सिंह, वार्ड नं. 10 भटेरा चौकी के अनिल कुमार पटले की नल से पानी नही आने संबंधी शिकायतों का त्े वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

150 से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर किया गया उपचार

रोशना में लगाया गया पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

कृषि कार्यों एवं दुग्ध उत्पादन में उन्नत नस्ल के स्वास्थ्य पशुओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन्ही तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए पशु चिकित्सा विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर किसानों एवं पशुपालकों के बीमार पशुओं का उपचार किया जा रहा है। इसी कड़ी में 06 जनवरी 2026 को बालाघाट विकासखंड के ग्राम रोशना में पशुपालन विभाग के तत्वावधान में पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को उनके पशुओं के लिए सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना रहा। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ एन डी पुरी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर के दौरान गाय, भैंस, बकरी सहित अन्य घरेलू पशुओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बीमार पशुओं का उपचार कर आवश्यक औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया। साथ ही पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाई गई, टीकाकरण किया गया एवं बाह्य परजीवी नियंत्रण हेतु के लिए उपचार भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त पशुपालकों को पशु पोषण, स्वच्छता, रोग निवारण एवं बेहतर पशु प्रबंधन के संबंध में उपयोगी परामर्श दिया गया। शिविर में पशु चिकित्सक डॉ. बादल पटले एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी श्रेया बांगरे द्वारा पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर बीमार पशुओं का उपचार किया गया। इसमें पैरावैट स्टाफ शिवम ठाकरे एवं जयनारायण ऑडे, गौसेवक झाडूलाल शरणागत, मैत्री शुभम लिल्हारे ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि विनोद हरिनखेडे भी उपस्थित रहे और सभी के सहयोग से शिविर सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर के दौरान ग्राम रोशना के लगभग 34 पशुपालकों के 150 से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। पशुपालकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उनके समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की आवश्यकता बतायी।

एसडीएम एवं तहसीलदारों द्वारा अलग-अलग ग्रामों में की गई जनसुनवाई

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर प्रत्े येक मंगलवार को सभी एसडीएम एवं तहसीलदार द्वारा अपने क्षेत्र के अलग अलग ग्रामों में जाकर जनसुनवाई की जा रही है और ग्रामीणों की समस्े याओं का सुना जा रहा है।

06 जनवरी को वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल ग्राम पंचायत लिंगमारा, बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्े ता ग्राम गोगाटोला, परसवाड़ा एसडीएम श्री श्रीश ्े यासी ग्राम लौगूर, लांजी एसडीएम श्री कमल सिंहसार ग्राम रिसेवाड़ा एवं किरनापुर एसडीएम श्री एमआर कोल ग्राम पंचायत बिनोरा में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुए। इसी प्रकार जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्े य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्े ते एवं तहसीलदार मंजूला महोबिया ग्राम पंचायत रट्टा, खैरलांजी तहसीलदार छवि पंत ग्राम पंचायत सालेटेका एवं बिरसा तहसीलदार ग्राम झामुल एवं तिरोड़ी तहसीलदार श्री शांडिल्े य ग्राम कोडबी में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुए।

लिंगमारा मे आयोजित जनसुनवाई में 24 आवेदन प्राप्े त हुए जबकि सालेटेका में आयोजित जनसुनवाई में 28 आवेदन प्राप्े त हुए। वारासिवनी एसडीएम श्री जायसवाल ने ग्राम लिंगमारा में जनसुनवाई के पश्े चात शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया और बच्े चों के शैक्षणिक स्े तर की जांच की। बालाघाट तहसीलदार एवं जनपद सीईओ ने ग्राम रट्टा में जनसुनवाई के पश्चात प्राथमिक शाला में बच्चों को दिये जा रहे मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया। इसी प्रकार तिरोड़ी तहसीलदार श्री शांडिल्े य द्वारा ग्राम कोडबी की माध्े यमिक शाला में मध्े याह्े न भोजन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बच्े चों को मेन्े यू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है। ग्राम लौगुर में आयोजित जनसुनवाई में पेयजल एवं बिजली से संबंधित समस्या ग्रामीणों द्वारा बतायी गई।

एस.एस.पी. महाविद्यालय द्वारा कॉलेज चलो अभियान का सफल आयोजन

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी द्वारा कॉलेज चलो अभियान 2026-27 के प्रथम चरण का प्रभावी संचालन दिनांक 05 दिसंबर 2025 से 05 जनवरी 2026 तक सफलतापूर्वक किया गया। यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी प्रो. हेमंत कुमार गनवीर के संयोजन में संपन्न हुआ।अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद कर कॉलेज चलो अभियान के उद्देश्यों एवं उच्च शिक्षा के महत्व की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को महाविद्यालय में संचालित ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, राज्य एवं केंद्र शासन द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नवीन प्रावधानों से अवगत कराया गया।इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में उपलब्ध राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, एनसीसी, ग्रंथालय, एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से विद्यार्थियों को कैरियर विकल्पों, उच्च शिक्षा के अवसरों एवं रोजगार की संभावनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस अभियान के सफल संचालन में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अभियान को विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

कॉलेज चलो अभियान के तहत लालबर्रा महाविद्यालय का ग्राम पंचायतों में संपर्क कार्यक्रम

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 06 जनवरी 2026 को महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, श्री नितेश कुमार, डॉ. आशीष बागडे, श्री दीपक अहिरवार एवं श्री व्यंकटरमन नागपुरे द्वारा ग्राम पंचायत बल्हारपुर एवं ग्राम पंचायत कटंगझरी में बैठक आयोजित कर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों को अभियान की जानकारी प्रदान की गई।

यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. श्री सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं डॉ. देवराज चैरे के संयोजन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के हायर सेकेंडरी विद्यालयों में संपर्क के साथ-साथ ग्राम पंचायतों में सामुदायिक बैठकों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत लागू नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, विषय चयन आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कैरियर काउंसलिंग सत्र के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न कैरियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, नैतिक शिक्षा, उच्च शिक्षा के अवसरों, रोजगार संभावनाओं एवं कौशल आधारित शिक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही केंद्र एवं राज्य शासन की छात्रवृत्ति योजनाओं, प्रोत्साहन योजनाओं, निःशुल्क सहायता योजनाओं तथा मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। सामुदायिक बैठकों का मुख्य उद्देश्य यह है कि क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों का बारहवीं के पश्चात महाविद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित हो तथा कोई भी विद्यार्थी जानकारी के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बल्हारपुर के सरपंच श्री सेवन काटेकर, सचिव राजेन्द्र बागरे, पंच ज्ञानीराम कुवरे एवं ग्राम पंचायत कटंगझरी की सरपंच श्रीमती कविता हटवार सहित गणमान्य नागरिक श्री नवीन पटले, श्री रामप्रसाद अजीत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्व-सहायता समूह की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक चेतना की अनुपम मिसाल बना शिविर

सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्देश्यपूर्ण समापन

बालाघाट| डेस्क
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) बालक एवं बालिका इकाई द्वारा ग्राम कुम्हारी स्थित पीएम श्री रानी अवंती बाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार, 4 जनवरी 2026 को गरिमामय, भावनात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह शिविर 29 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक सेवा, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ संचालित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर संरक्षक डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी. एस. कातुलकर, जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी दशहरे, ग्राम पंचायत कुम्हारी के सरपंच श्री सावन पिछोड़े, उपसरपंच श्रीमती प्रमिला सहित जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएँ एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। शिविर के सात दिनों में स्वयंसेवकों को विभिन्न दलों में विभाजित कर स्वच्छता अभियान, श्रमदान, प्रभात फेरी, सामाजिक जागरूकता गतिविधियाँ, भोजन एवं रसोई संचालन, मंच सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन तथा ÷शिविर दर्पण÷ जैसे रचनात्मक समाचार पत्र के निर्माण की जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इन सभी गतिविधियों का संचालन स्वयंसेवकों ने पूर्ण अनुशासन, आपसी समन्वय एवं नेतृत्व क्षमता के साथ किया, जिससे शिविर एक जीवंत सामाजिक प्रयोग के रूप में उभरकर सामने आया। समापन दिवस की शुरुआत ग्राम कुम्हारी में अंतिम प्रभात फेरी एवं शिविर स्थल की व्यापक स्वच्छता से हुई। इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अतिथियों ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण समाज में स्वच्छता, सामाजिक चेतना, आपसी सहयोग एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करते हैं। जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी दशहरे ने कहा कि एनएसएस शिविर युवाओं को संवेदनशील नागरिक बनाते हैं और ग्रामीण विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिविर के दौरान अर्जित सेवा, अनुशासन एवं नेतृत्व के गुण स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व निर्माण में आजीवन सहायक सिद्ध होंगे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 07 जनवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

वैनगंगा में ज़हर घोलने का आरोप: एमकेपीएस फ़ूड एक्सपोर्ट पर प्रशासन की जांच, रसूख और राजनीति के दावे से गरमाया गोपालगंज

...तो क्या सिवनी के जिम्मेदार धृतराष्ट्र है?

सिवनी जिले के गोपालगंज में वैनगंगा नदी को कथित रूप से दूषित करने का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई और सियासत के केंद्र में आ गया है। एमकेपीएस फ़ूड एक्सपोर्ट कंपनी पर मिल से निकलने वाले दूषित व कैमिकल युक्त पानी को सीधे नदी में छोड़ने के आरोपों के बाद प्रशासन ने जांच टीम गठित कर दी है। प्रारंभिक तथ्यों में कंपनी द्वारा दीवार में छेद कर पानी नदी में मिलाने की बात सामने आई है, जिसे ग्रामीणों और मानव जीवन के लिए 'प्राणघातक' बताया जा रहा है। जांच जारी है, लेकिन इस बीच कंपनी मालिक के कथित रसूख और पंचायत की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सिवनी| संजय बघेल
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले की वैनगंगा नदी स्थानीय जीवनरेखा मानी जाती है। सिंचाई, पशुपालन और दैनिक उपयोग के लिए निर्भर ग्रामीणों ने लंबे समय से नदी के पानी के रंग, गंध और गुणवत्ता में बदलाव की शिकायतें की थीं। हालिया शिकायतों के बाद प्रशासन हरकत में आया और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई। सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि एमकेपीएस फ़ूड एक्सपोर्ट द्वारा मिल परिसर की दीवार में छेद कर अपशिष्ट जल को सीधे नदी में प्रवाहित किया गया।

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि इस अपशिष्ट में कैमिकल की मौजूदगी की आशंका है, जो जलीय जीवों के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकती है। हालांकि, अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट और नमूनों की लैब जांच के बाद ही सामने आएंगे। फिलहाल, टीम द्वारा स्थल निरीक्षण, दस्तावेज़ों की जांच ककी जा रही है।

रसूख और धमकी के आरोप

मामले ने जब तूल पकड़ा तो कंपनी मालिक मुकेश मित्तल के तिलमिला गए। सूत्रों के अनुसार, मित्तल ने कार्रवाई को लेकर यह कहने की बात कही कि 'प्रशासन और राजनीति मेरी जेब में है' और किसी अधिकारी के सख्त कदम उठाने पर उसके तबादले की ताकत रखने का दावा किया गया है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ऐसे आरोपों ने प्रशासन की निष्पक्षता और राजनीतिक संरक्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों से मिल से दूषित पानी छोड़े जाने की शिकायतें होती रहीं, पर प्रभावशाली संरक्षण के चलते कार्रवाई नहीं हुई। शायद ग्रामीणों की महीनो पहले की गई शिकायत शोभा की सुपारी बनने की वजह भी मुकेश मित्तल के रसूख की वजह है।

पंचायत की भूमिका पर सवाल

इस पूरे प्रकरण में ग्राम पंचायत गोपालगंज की भूमिका भी कटघरे में है। आरोप है कि स्थानीय स्तर पर वर्षों से दूषित पानी के निस्तारण की समस्या के बावजूद सरपंच और सचिव ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पंचायत पर यह भी सवाल है कि बिना प्रभावी अपशिष्ट जल प्रबंधन योजना के मिल को संचालन की अनुमति कैसे दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते निगरानी और आपत्ति दर्ज होती, तो नदी की यह हालत न होती। आरोपों के बीच यह भी चर्चा है कि बिना आर्थिक लाभ के ऐसी अनदेखी संभव नहीं दिखती। हालांकि, पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से इन आरोपों पर अब तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

शीतला पटले, कलेक्टर
निष्पक्ष कार्रवाही की आस।

एमकेपीएस फ़ूड एक्सपोर्ट मिल : जीवन के लिए बनी दानव।

मुकेश मित्तल, कंपनी मालिक
राजनीति और प्रशासन जेब में!

प्रशासन की कार्रवाई और आगे की राह

प्रशासन का कहना है कि जांच निष्पक्ष और नियमों के अनुसार की जाएगी। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो पर्यावरण संरक्षण अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में कड़ी कार्रवाई संभव है। जिसमें जुर्माना, संचालन पर रोक और सुधारात्मक उपाय शामिल हो सकते हैं। साथ ही, पंचायत और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी समीक्षा की जा सकती है।

यह मामला केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं है, यह संदेश देता है कि पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी और कथित रसूख के भरोसे जनजीवन से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वैनगंगा को बचाने की यह लड़ाई अब प्रशासन की साख और स्थानीय शासन की जवाबदेही की भी परीक्षा बन चुकी है। जांच रिपोर्ट का इंतज़ार है, जो तय करेगी कि आरोप सच हैं या नहीं, और दोषियों पर कानून का डंडा चलेगा या नहीं।

भारत पर्व के आयोजन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा आगामी 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस की शाम जिला मुख्यालय सिवनी में लोकतंत्र के लोक उत्सव 'भारत पर्व' के आयोजन के मद्देनजर भारत पर्व के आयोजन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक सहयोग एवं समस्त स्थानीय व्यवस्थाओं के लिए आहरण एवं व्यय वितरण अधिकारी के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी एस एस कुमरे को प्रभार सौंपा गया है। वहीं, अन्य आवश्यक सहयोग एवं कार्यक्रम संचालन के लिए सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास सिवनी को अधिकृत किया गया है।

बबरिया तालाब से मोटर लगाकर पानी लेने पर प्रतिबंध

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

नगरपालिका परिषद सिवनी द्वारा सर्वसाधारण एवं किसानों से अपील की गई है कि नगरपालिका स्वामित्व बबरिया तालाब में फसल सिंचाई हेतु मोटर लगाकर पानी न लिया जाए। बताया गया है कि तालाब से लगातार पानी निकाले जाने के कारण जल स्तर में कमी आ रही है, जिससे पूर्व वर्ष ग्रीष्म ऋतु में जल संकट की स्थिति निर्मित हुई थी।

नगरपालिका द्वारा आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए बबरिया तालाब का पानी पेयजल उपयोग हेतु सुरक्षित रखा जाना आवश्यक है, ताकि नगरवासियों को गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इसी उद्देश्य से तालाब से सिंचाई के लिए पानी लेना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। नगरपालिका ने किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि किसी भी किसान द्वारा बबरिया तालाब में अवैध रूप से मोटर लगाकर पानी लिया जाता है, तो संबंधित किसान की मोटर जब्त की जाएगी तथा नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उक्त कार्यवाही की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित किसान की स्वयं की होगी। नगरपालिका परिषद ने सभी किसानों एवं नागरिकों से जनहित में सहयोग करने एवं जल संरक्षण में सहभागी बनने का अनुरोध किया है।

8 जनवरी को सिवनी में जलापूर्ति रहेगी प्रभावित

नागरिकों से एक दिवस का जल संग्रह की अपील

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

मुख्य नगरपालिका अधिकारी सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि पुरानी नवीन जलावर्धन योजना अंतर्गत बबरिया प्लांट में सी.एल.एफ. की सफाई कार्य के चलते 8 जनवरी 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक डायरेक्ट एवं टंकी जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इस दौरान नगर की पानी टंकियों में भराव कार्य बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह 9 जनवरी को डायरेक्ट एवं टंकी से जुड़े क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति आंशिक रूप से की जाएगी। असुविधा से बचने के लिए कम से कम एक दिन का पानी संग्रहित रखने की अपील शहर के नागरिकों से की गई है।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में विशेष डीएलसीसी बैठक संपन्न

सिवनी। सोमवार 05 जनवरी को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सी.एल. चनाप एवं सुश्री सुनीता खंडायत, लीड बैंक अधिकारी प्रवीण कुमार दिसोरिया, जिला समन्वयक, समस्त बैंकों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के लक्ष्य एवं प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बताया कि उद्यानिकी विभाग की पीएमएफएमई योजना, अनुसूचित जनजाति विभाग की टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, अंत्योदय/अंतव्यासाई विभाग की डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, पशुपालन विभाग की डेयरी केसीसी एवं डॉ. भीमराव कामधेनु योजना, तथा मत्स्य विभाग की केसीसी योजना की प्रगति अपेक्षानुसार संतोषजनक नहीं पाई गई।

खौफ के सौदागरों पर पुलिस का हंटर

डूंडासिवनी में आतंक मचाने वाले 11 गुंडे सलाखों के पीछे!

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

अपराधियों के लिए काल और आम जनता के लिए ढाल बनी सिवनी पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जिले में गुंडाराज के लिए कोई जगह नहीं है। पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के सख्त निर्देशों पर अमल करते हुए डूंडासिवनी पुलिस ने खौफ फैलाने वाले 11 बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल की कालकोठरी में पहुंचा दिया है।

मामला यह है कि बीती 6 जनवरी को भवानी चौक, टैगोर वार्ड में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई। जब फरहान खान, हाकिम खान और इमरान खान जैसे अराजक तत्व अपने 20-25 साथियों के साथ हाथों में तलवारें, डंडे और लोहे की रॉड लेकर ममता यादव के घर में घुस गए। इन हमलावरों ने न केवल मां-बहन की भद्दी गालियां दीं, बल्कि घर में

जमकर तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर इतने आक्रोशित थे कि अगर प्रार्थिया का बेटा हाथ लग जाता तो वे उसकी जान लेने पर उतारू थे।

कानून का डंडा, अपराधियों में खौफ

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें सीधे जिला जेल भेज दिया गया। इस साहसिक कार्यवाही में निरीक्षक चैनसिंह उइके, सउनि बालकृष्ण त्रिगाम, संजय बघेल और पूरी टीम की अहम भूमिका रही। साथ ही पुलिस ने चेतावनी देते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन ने साफ कर दिया है कि शांति भंग करने वाले और हथियारों के दम पर खौफ पैदा करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस का एक्शन अवतार

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं सी.एस.पी. सिवनी श्रद्धा सोनकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चैनसिंह उइके ने तत्काल मोर्चा संभाला। पुलिस की स्पेशल टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी और आतंक का पर्याय बने 11 आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मो. जैद खान (19), अरसिल खान (22), रहबर खान (19), इमरान खान (24), फरहान (24), इमरान (24), जुनेद (20), आदिल (22), अनस (20), अरमान उर्फ रिहान (18) और अयाज खान उर्फ पिंटू (20) शामिल हैं।

सिवनी में ड्रग विभाग का हंटर

सात मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस सस्पेंड, चार की बढ़ी धड़कनें!

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले के दवा बाजार में उस वक्त हड़कंप मच गया जब खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले मेडिकल स्टोर्स पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दी। औषधि निरीक्षक की पैनी नजरों से लापरवाह दुकानदार बच नहीं पाए और देखते ही देखते 07 दुकानों के लाइसेंस लॉक कर दिए गए।

किसकी कितनी 'खुराक' बंद?

दवाइयों के रिकॉर्ड में हेराफेरी और नियमों को ठेंगे पर रखने वाले इन सेंटर्स को विभाग ने कड़ा

सबक सिखाया है। श्री मेडिकल स्टोर मेहरा पिपरियाः सबसे भारी गाज, 20 दिनों के लिए दुकान बंद, जय मां दुर्गा राय मेडिकल चमारी छपारा : 07 दिनों का वनवास, श्री आशुतोष मेडिकल छपारा : 05 दिनों के लिए शटर डाउन, साहू मेडिकल छपारा : 03 दिनों के लिए कामकाज ठप, संजीवनी मेडिकल केवलारी 07 दिनों के लिए ताला लटका, अमन मेडिकल केवलारी 05 दिनों की छुट्टी तो लविश मेडिकल आष्टा बरघाट : 03 दिनों की सजा दी गई है।

रडार पर 04 और नाम, नोटिस मिलते ही मचा हड़कंप

कार्रवाई यहीं नहीं रुकी! विभाग ने 04 अन्य मेडिकल स्टोर्स की कुंडली खंगालते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस थमा दिया है। अब इन दुकानों के मालिकों को जवाब देते नहीं बन रहा है। सूरज मेडिकल आदेगांव, अवनि मेडिकल आदेगांव, भार्वी मेडिकल बेलपेठ कुरई, हनवत मेडिकल गंगापुर बरघाट।

विभाग का साफ संदेश है कि दवाइयों के नाम पर खिलवाड़ और कागजों में हेराफेरी अब नहीं चलेगी। और साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अगर रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिली, तो अगली बार कार्रवाई और भी ज्यादा कड़वी होगी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 182 आवेदन प्राप्त

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में कुल 182 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडारयत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम खुर्सीपारकला निवासी प्रतीमा

कोरेमारे द्वारा कले याणी विवाह सहायता योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील सिवनी अंतर्गत ग्राम मुण्े डरई निवासी लक्ष्े मण भजेकर द्वारा मकान एवं खेत का सीमांकन कराये जाने विषयक, ग्राम भोंगाखेडा थाना बंडोल निवासी गोबंदी गिरी द्वारा समग्र आईडी में नाम दर्ज कराये जाने विषयक,तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम भजिया निवासी कोमलचंद गोले हानी द्वारा शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाये जाने विषयक, ग्राम बांद्रा थाना बंडोल निवासी सुरेंद्र भलावी द्वारा माचागोरा बांध में अधिग्रहित कर नहर खोदे जाने पर मुआवजा राशि दिलाये जाने विषयक, ग्राम बांकी थाना बंडोल निवासी नारायण द्वारा नवे शा सुधार किये जाने विषयक, जनतानगर सिवनी निवासी सहजाद खान द्वारा जन्े म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने विषयक, कबीर वार्ड डूंडासिवनी निवासी कमल सिंह धुर्वे द्वारा आबादी भूमि में बने मकान का पट्टा दिलाये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम सुनवारा निवासी रेवाराम प्रजापति द्वारा आवास योजना की राशि दिलाये जाने विषयक, तहसील छपारा निवासी शंकर लाल डहेरिया द्वारा खेत में आने जाने के लिए रास्े ता दिलाये जाने विषयक, तहसील छपारा अंतर्गत ग्राम बिजना निवासी नेवालाल उइके द्वारा आर्थिक सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम पिपरिया थाना अरी निवासी इमनबाई पटले द्वारा वृद्धापेंशन योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, रानी दुर्गावती वार्ड सिवनी निवासी राजकुमार सनोडिया द्वारा नाली की सफाई कराये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम नाई पिपरिया निवासी सोनल नामदेव द्वारा बाल आशिर्वाद योजाना का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील केवलारी अंतर्गत ग्राम बगलई निवासी ज्योति साहू द्वारा धारणाधिकार अंतर्गत पट्टा दिलाये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत समस्े त ग्राम बरबसपुर निवासी द्वारा ग्राम में स्थित सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाये जाने विषयक, सहित कुल 182 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण किये जाने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये गये।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग

संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध

संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433